▪ आषाढ़ शुक्ल - 13 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 339 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 08-07-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा लोगों और कांग्रेस नेताओं को डराने की कोशिश कर रही है

6 ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व संतुलित दुनिया का आधार

7 अभिषेक मलिक फिल्म 'जमाई नंबर 1' में काली मां के अवतार में आएंगे नजर

कोई भी देश खनिज संसाधनों का उपयोग दूसरों के खिलाफ हथियार के रूप में न करे

ब्रिक्स को महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा पर काम करना चाहिए : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रियो डी जिनेरियो/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन में कहा कि समूह के देशों को महत्वपूर्ण खनिजों और प्रौद्योगिकी की आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए तथा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी देश इन संसाधनों का उपयोग अपने स्वार्थी लाभ के लिए या दूसरों के खिलाफ हथियार के रूप में न करे।

बहुपक्षवाद, वित्तीय मामलों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आयोजित सत्र में रविवार को अपने संबोधन में मोदी ने पारदर्शिता बनाए रखने और दुरुपयोग को रोकने के वास्ते एआई के उपयोग के लिए वैश्विक मानक बनाने का भी आह्वान किया।

▪ हमारा मानना है कि चिंताओं के समाधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने को एआई शासन में समान महत्व दिया जाना चाहिए। हमें जिम्मेदार एआई के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

▪ ब्रिक्स के शीर्ष नेताओं ने विश्व के समक्ष उपस्थित विभिन्न चुनौतियों पर विचार-विमर्श किया।

महत्वपूर्ण खनिजों पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी, इन महत्वपूर्ण संसाधनों के निर्यात पर चीन द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों तथा इस क्षेत्र में उसकी अपारदर्शी नीतियों को लेकर वैश्विक स्तर पर जताई जा रही चिंता के बीच आई है।

मोदी ने कहा, हमें महत्वपूर्ण खनिजों और प्रौद्योगिकी की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि कोई भी देश इन संसाधनों का उपयोग अपने स्वार्थ के लिए या दूसरों के खिलाफ हथियार के रूप में न करे।

लिथियम, निकल और ग्रेफाइट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), ड्रोन और बैटरी भंडारण सहित उच्च-स्तरीय प्रौद्योगिकी उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। चीन वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला में प्रमुख भूमिका निभाता रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बारे में मोदी ने कहा कि इससे रोजमर्रा की जिंदगी में काफी सुधार आ सकता है, लेकिन दूसरी ओर इससे जोखिम, नैतिकता और पूर्वाग्रह के बारे में चिंताएं भी पैदा हुई हैं।

प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि भारत अगले साल एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन का आयोजन करेगा।

ब्रिक्स देशों ने शुल्क वृद्धि, ईरान पर हमलों की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रियो डी जिनेरियो/एपी। ब्रिक्स देशों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर शुल्क वृद्धि और ईरान पर हमलों की रविवार को आलोचना की। ब्रिक्स के घोषणापत्र में पश्चिम एशिया में इजराइल की सैन्य कार्रवाई की भी आलोचना की गयी लेकिन रूस की आलोचना से बचा गया और युद्धग्रस्त यूक्रेन का महज एक बार जिक्र किया गया।

अमेरिका के राष्ट्रपति पर अप्रत्यक्ष तौर पर निशाना साधते हुए समूह के घोषणापत्र में शुल्क (टैरिफ) में वृद्धि के बारे में गंभीर चिंताएं जताई गईं, जिसके बारे में उसने कहा कि यह विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरूप नहीं है। ब्रिक्स ने कहा कि ऐसे प्रतिबंधों से वैश्विक व्यापार में कमी आने, वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में बाधा उत्पन्न होने और अनिश्चितता पैदा होने का खतरा है।

समूह के घोषणापत्र में अमेरिका या इजराइल का नाम लिए बगैर ईरान पर हमलों की निंदा की गयी है। ब्रिक्स नेताओं ने गाजा में मानवीय स्थिति को लेकर ''गंभीर चिंता'' व्यक्त की, सभी बंधकों की रिहाई और वार्ता फिर से शुरू करने की अपील की तथा दो-राष्ट्र समाधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

टकराव के लिए नहीं है ब्रिक्स : चीन

बीजिंग/भाषा। चीन ने सोमवार को कहा कि ब्रिक्स टकराव के लिए नहीं है और यह किसी अन्य देश को निशाना नहीं बनाता है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां संवाददाताओं से कहा कि ब्रिक्स उभरते बाजारों और विकासशील देशों के बीच सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। माओ ने कहा कि ब्रिक्स खुलेपन, समावेशन और सभी के फायदे के लिए सहयोग की वकालत करता है।

फर्स्ट टेक

लाल सागर में एक और जहाज पर हमला

दुबई/एपी। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा एक जहाज को डुबोने का दावा किये जाने के बाद सोमवार को लाल सागर से गुजर रहे एक जहाज को निशाना बनाकर एक नया हमला किया गया। निजी सुरक्षा कंपनी 'एम्ब्रे' ने कहा कि लाइबेरियाई ध्वज वाले बल्क कैरियर पर सवार दो सुरक्षा गार्ड नवीनतम हमले में घायल हो गए, जबकि हमले के बाद दो अन्य लापता हैं। 'एम्ब्रे' ने कहा कि जहाज पर छोटी नावों पर सवार व्यक्तियों और ड्रोन ने हमले किये। किसी ने भी इस हमले की तत्काल जिम्मेदारी नहीं ली। हालांकि, संदेह हूती विद्रोहियों पर गया, जिन्होंने सोमवार को पहले कहा था कि रविवार को लाइबेरियाई झंडे वाले, युनान के स्वामित्व वाले मैजिक सीज पर उसके हमले की वजह से उक्त जहाज डूब गया।

जापानी तटरक्षक बल का जहाज 'इत्सुकुशिमा' चेन्नई बंदरगाह पर पहुंचा

नई दिल्ली/भाषा। जापानी तटरक्षक बल (जेसीजी) का जहाज 'इत्सुकुशिमा' सोमवार को चेन्नई बंदरगाह पहुंच गया। यह यहां एक सप्ताह की यात्रा पर रहेगा और इस बीच भारत के साथ कई द्विपक्षीय गतिविधियों में भाग लेगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चेन्नई यात्रा के बाद 'इत्सुकुशिमा' भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के साथ 'एक्सरसाइज जा माता' (बाद में मिलते हैं) नाम के संयुक्त समुद्री अभ्यास में भाग लेगा। अधिकारियों ने बताया कि यह अभ्यास समुद्र में समन्वय और अभियान तालमेल बढ़ाने पर केंद्रित होगा। आईसीजी ने कहा, ''इसके अलावा आईसीजी के चार अधिकारी सिंगापुर जाने के दौरान 'सी राइडर्स' के रूप में 'इत्सुकुशिमा' पर सवार होंगे, जिससे दोनों सेनाओं के बीच सौहार्द और पेशेवर आदान-प्रदान को और मजबूती मिलेगी।''

इंडोनेशिया का माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी ज्वालामुखी फटा

जकार्ता/एपी। इंडोनेशिया में धधकता ज्वालामुखी माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी सोमवार को फट पड़ा, जिससे आसमान में लगभग 18 किलोमीटर की ऊंचाई तक राख का गुबार फैल गया और आसपास के गांवों पर भी राख जम गयी। इंडोनेशिया की भूविज्ञान एजेंसी ने एक बयान में बताया कि विस्फोट के दौरान ज्वालामुखी ने धधकते बादलों का गुबार छोड़ा। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ज्वालामुखी निगरानी एजेंसी ने 18 जून को हुए विस्फोट के बाद ज्वालामुखी की चेतावनी स्थिति को उच्चतम स्तर पर कर दिया है।

08-07-2025 सूर्यास्त	09-07-2025 सूर्योदय
6:50 बजे	5:59 बजे

BSE	NSE
83,442.50	25,461.30
(+9.61)	(+0.30)

सोना	चांदी
10,014 रु.	109,575 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

शांति का समय कुछ और नहीं बल्कि 'भ्रम' है : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सशस्त्र बलों द्वारा दिखाए गए पराक्रम की सराहना करते हुए कहा कि शांति का समय एक ''भ्रम'' के अलावा कुछ नहीं है और भारत को अपेक्षाकृत शांत अवधि के दौरान भी अनिश्चितता के लिए तैयार रहना चाहिए।

सिंह ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि अभियान में स्वदेश निर्मित उपकरणों और प्रणालियों के प्रदर्शन से भारत निर्मित सैन्य उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ी है। उन्होंने कहा, ''विश्व हमारे रक्षा क्षेत्र को नए सम्मान की दृष्टि से देख रहा है। वित्तीय प्रक्रियाओं में एक भी देरी या त्रुटि अभियानगत तैयारियों को सीधे प्रभावित कर सकती है।''

सिंह ने कहा, ''अधिकतर उपकरण जो हम पहले आयात करते थे, अब भारत में बनाए जा रहे हैं। हमारे सुधार उच्चतम स्तर पर स्पष्ट दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता के कारण सफल हो रहे हैं।''

रक्षा मंत्री रक्षा लेखा विभाग (डीएडी) के नियंत्रकों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रक्षा विभाग से रक्षा में निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के साथ तालमेल बिठाते हुए ''नियंत्रक'' से ''सुविधाकर्ता'' बनने का आह्वान किया।

व्यापक भू-राजनीतिक स्थिति पर प्रकाश डालते हुए रक्षा मंत्री ने 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट' के विश्लेषण का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि 2024 में वैश्विक सैन्य व्यय 2.7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंचा। उन्होंने कहा कि इससे भारत के स्वदेशी रक्षा उद्योगों के लिए अपार अवसर खुलेंगे।

रक्षा मंत्री ने रक्षा विभाग के नए आदर्श वाक्य ''सतर्क, सक्रिय, अनुकूल'' की प्रशंसा की तथा कहा कि ये महज शब्द नहीं हैं, बल्कि आज के तेजी से विकसित हो रहे रक्षा परिवेश में आवश्यक कार्य संस्कृति का प्रतिबिंब हैं।

पाकिस्तान को बाहरी समर्थन मिलने का दावा 'गलत' : मुनीर

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने सोमवार को कहा कि भारत के साथ हाल में हुए सैन्य संघर्ष के दौरान इस्लामाबाद को बाहरी समर्थन मिलने का दावा 'तथ्यात्मक रूप से गलत' है।

इस्लामाबाद स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में स्नातक अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुनीर ने भारत पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि पाकिस्तान की संप्रभुता को कमजोर करने के किसी भी दुस्साहस या प्रयास का बिना किसी संकोच के त्वरित और दृढ़ प्रतिक्रिया के साथ जवाब दिया जाएगा। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख ने कहा, ''पाकिस्तान के सफल ऑपरेशन बन्यनम मार्सूस में बाहरी समर्थन के बारे में लगाए गए आरोप गैर-जिम्मेदाराना और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं तथा दशकों के रणनीतिक विवेक से विकसित स्वदेशी क्षमता और संस्थागत लचीलेपन को स्वीकार करने में उसकी पुरानी अनिच्छा को दर्शाते हैं। ''

न्यायाधीश के आवास पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलना आपराधिक कृत्य, कार्रवाई जरूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के घर से बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के मामले में अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं किये जाने का मुद्दा उठाते हुए कहा है कि किसी न्यायाधीश के विरुद्ध संवैधानिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई करना एक विकल्प हो सकता है लेकिन इसे समाधान नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा है कि यह आपराधिक कृत्य है और इस तरह के मामलों में कार्रवाई किया जाना जरूरी है।

धनखड़ ने सोमवार को राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, कोच्चि में छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ संवाद के दौरान कहा, संवैधानिक प्रावधानों के तहत किसी न्यायाधीश के विरुद्ध कार्रवाई करना एक विकल्प हो सकता है, लेकिन यह समाधान नहीं है। हम लोकतंत्र होने का दावा करते हैं और वास्तव में हैं भी। दुनिया हमें एक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में देखती है, जहाँ कानून का शासन और कानून के समक्ष समानता होनी चाहिए।

▪ दुनिया हमें एक परिपक्व लोकतंत्र के रूप में देखती है, जहाँ कानून का शासन और कानून के समक्ष समानता होनी चाहिए।

▪ यह जानना आवश्यक है कि क्या यह काला धन है? इसका स्रोत क्या है? यह किसी न्यायाधीश के सरकारी आवास में कैसे पहुंचा? यह धन किसका है?

उन्होंने कहा कि इसका तात्पर्य यह है कि हर अपराध की जांच होनी चाहिए। उन्होंने इस मामले से संबंधित न्यायाधीश का नाम लिए बिना कहा कि यदि धनराशि इतनी अधिक है तो कई सवाल उठते हैं जिनका पता लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, यह जानना आवश्यक है कि क्या यह काला धन है? इसका स्रोत क्या है? यह किसी न्यायाधीश के सरकारी आवास में कैसे पहुंचा? यह धन किसका है?

इस घटनाक्रम में कई दंडात्मक प्रावधानों के उल्लंघन का उल्लेख करते हुए उन्होंने उम्मीद जतायी कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की जायेगी। उन्होंने कहा, मुझे आशा है कि एफआईआर दर्ज की जाएगी। हमें इस मुद्दे की जड़ तक जाना होगा, क्योंकि लोकतंत्र में यह महत्वपूर्ण है। हमारी न्यायपालिका, जिस पर लोगों का विश्वास अडिग है, आज इस घटना के कारण उसकी नींव डगमगा गई है। यह गढ़ हिल गया है।

उप राष्ट्रपति ने शेक्सपियर के प्रसिद्ध नाटक 'जूलियस सीज़र' का उल्लेख करते हुए कहा, कैसे एक ज्योतिषी ने सीज़र को उनकी मृत्यु के प्रति चेताया था। जब सीज़र ने कहा 'आइड्स ऑफ मार्च' यानी 15 मार्च आ गया है तो ज्योतिषी ने उत्तर दिया 'हां, लेकिन गया नहीं' और उसी दिन सीज़र की हत्या हो गई।

ट्रंप ने 'ब्रिक्स की अमेरिकी विरोधी नीतियों' का साथ देने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की दी धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स समूह की ''अमेरिका विरोधी नीतियों'' का साथ देने वाले देशों पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की धमकी दी है।

ब्रिक्स समूह के ट्रंप का नाम लिए बिना शुल्क वृद्धि की निंदा करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह धमकी दी है। ब्रिक्स समूह में शामिल देशों के नेता छह-सात जुलाई को 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए ब्राजील में मिल रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर रविवार रात को लिखा, '' ब्रिक्स की अमेरिका विरोधी नीतियों से जुड़ने वाले किसी भी देश पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। इसमें कोई अपवाद नहीं होगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद।''

ब्रिक्स मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे। 2024 में इसका विस्तार करके मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात को इसमें शामिल किया गया, जबकि इंडोनेशिया 2025 में इसमें शामिल हुआ।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर अलग से जानकारी दी कि अमेरिका सोमवार से विभिन्न देशों को शुल्क और समझौतों के सिलसिले में ''पत्र'' भेजेगा। उन्होंने कहा, '' मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि दुनिया भर के विभिन्न देशों के साथ अमेरिका के शुल्क पत्र और/या समझौते सोमवार सात जुलाई को दोपहर 12:00 बजे (पूर्वी समय) से वितरित किए जाएंगे। इस मामले पर आपका ध्यान देने के लिए धन्यवाद। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप।''

ट्रंप ने जापान, दक्षिण कोरिया पर 25 प्रतिशत का शुल्क लगाया

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को एशिया में अपने दो महत्वपूर्ण सहयोगियों जापान और दक्षिण कोरिया से आयातित वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का शुल्क लगा दिया। उन्होंने इन दोनों देशों के साथ लगातार व्यापार असंतुलन का हवाला देते हुए यह शुल्क लगाया है। ट्रंप ने एक अगस्त से लागू होने वाले शुल्क की सूचना सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ' पर पोस्ट करके दी। ये पोस्ट दोनों देशों के नेताओं को संबोधित थी। ट्रंप ने दोनों देशों को चेतावनी दी कि वे अपने आयात कर में वृद्धि करके जवाबी कार्रवाई न करें, अन्यथा ट्रंप प्रशासन आयात कर में और वृद्धि करेगा, जिससे जापान और दक्षिण कोरिया के वाहन और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों को नुकसान हो सकता है। ट्रंप ने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा और दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे-म्यांग को संबोधित करके पत्र लिखे हैं।

मस्क की नई राजनीतिक पार्टी की योजना 'मूर्खतापूर्ण'

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नई राजनीतिक पार्टी बनाने के बाद एलन मस्क की आलोचना करते हुए उनके इस कदम को ''मूर्खतापूर्ण'' करार दिया और कहा कि मस्क ''पूरी तरह से काबू से बाहर हो गए हैं।'' कभी ट्रंप के सहयोगी माने जाने वाले अमेरिकी अरबपति मस्क ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने देश में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों को चुनौती देने के लिए ''अमेरिकन पार्टी'' का गठन किया है। रविवार को एयर फोर्स वन में सवार होने से पहले ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि तीसरी पार्टी शुरू करना मूर्खता है। हमेशा से द्वि-दलीय प्रणाली रही है और तीसरी पार्टी शुरू करना केवल भ्रम को बढ़ाता है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने लिखा, यह देखकर दुख होता है कि एलन मस्क पूरी तरह 'काबू से बाहर हो गए हैं।'''

रूस ने यूक्रेन पर 100 से अधिक ड्रोन दागे, 11 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। यूक्रेन पर रूसी हमलों में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गयी, जबकि सात बच्चों सहित 80 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इस बीच, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा बर्खास्त किए जाने के कुछ ही घंटे बाद रूस के परिवहन मंत्री सोमवार को मृत पाए गए। अधिकारियों ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से आत्महत्या है।

रूस ने यूक्रेन के नागरिक इलाकों को निशाना बनाकर बीती रात 100 से अधिक ड्रोन दागे, जिसके कारण कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और सात बच्चों समेत करीब 80 अन्य घायल हो गए।

रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने देश के परिवहन प्रमुख को बर्खास्त कर दिया है, क्योंकि सप्ताहांत में यात्रा संबंधी अव्यवस्था के कारण रूसी हवाई अड्डों पर यूक्रेनी ड्रोन हमलों के खतरे के कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दी गई थीं। मई 2024 से रूस के परिवहन मंत्री के रूप में कार्य करने वाले रोमन स्टारोवॉयट को दिन में राष्ट्रपति के आदेश द्वारा बर्खास्त कर दिया गया था।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अस्थाई राज

इतनी भी नाराजी क्यों हैं,
सत्ता तो आनी-जानी।
ऐसी भाषा बोल रहे क्यों,
जैसे हो दुश्मन जानी।
बोलो कब ठहरा है अब तक,
बहती नदिया का पानी।
लोकतंत्र में नहीं चलेगी,
कभी किसी की मनमानी।।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात

कर्नाटक पॉन ब्रोकर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सोमवार को नवनियुक्त ज्वाइंट रजिस्टार सुरेश गौड़ा से उनके कार्यकाल में भेंट कर सम्मान किया। एसोसिएशन के मंत्री मनोहरलाल लुंकड ने गौड़ा से नए कानूनी संशोधनों पर विचार विमर्श किया एवं उनसे मांग की कि इन संशोधनों के संबंध में स्पष्टता नहीं है जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हो रही हैं। गौड़ा ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही इसका समाधान किया जाएगा। इस मौके पर उपाध्यक्ष देवराज कोठारी, विनोद कुमार सकलेचा भी उपस्थित थे।

यलहंका में संतश्री ज्ञानमुनि का दैनिक चातुर्मास प्रवचन कल से

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ यलहंका में विराजित आचार्यश्री हस्तीमलजी के शिष्य श्री ज्ञान मुनिजी व लोकेश मुनि जी के सान्निध्य में पहली बार स्थानकवासी संघ का चातुर्मास होने जा रहा है। बुधवार चार्तुमासिक चौदस से सुबह 9.30 बजे से दैनिक प्रवचन शुरू हो जाएगा। रविवारीय प्रवचन दोपहर में 2.30 बजे से होगा। अध्यक्ष प्रकाशचन्द कोठारी व महामंत्री मनोहरलाल लुंकड़ ने सभी गुरु भक्तों से चातुर्मास प्रवचन में शामिल होने का निवेदन किया है।

टाइटन टीम ने किया शर्मा क्रिकेट कप पर कब्जा, नाइट राइडर्स टीम बनी उपविजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज द्वारा रविवार को सुनील शर्मा चैम्पियन्स कप क्रिकेट ट्रॉफी का आयोजन किया गया। स्टार इलेवन और यंग स्टार टीम के बीच खेले गए मैत्री मैच में स्टार इलेवन टीम विजेता रही। टूर्नामेन्ट के सेमीफ़ाइनल में पहला मैच किंग्स इलेवन और नाइट राइडर्स टीम के बीच खेला गया जिसमें नाइट राइडर्स टीम विजेता घोषित हुई। दूसरा सेमीफाइनल टाइटन और एवेंजर्स टीम के बीच खेला गया जिसमें टाइटन टीम विजेता बनी। फाइनल मैच नाइट राइडर्स टीम और टाइटन टीम के बीच हुआ जिसमें शानदार प्रदर्शन करते टाइटन टीम विजेता बनी। विजेता टीम को समाज के प्रमुख व प्रायोजक सुनील शर्मा द्वारा 'शर्मा कप ट्रॉफी' प्रदान की गई।फाइनल मैच में मैन ऑफ दि मैच व बेस्ट बल्लेबाज नरेंद्र शर्मा व बेस्ट बॉलर दीपक शर्मा बने।

प्रवचन को सुनें, मनन करें और पालन करें : आचार्यश्री अभयशेखरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

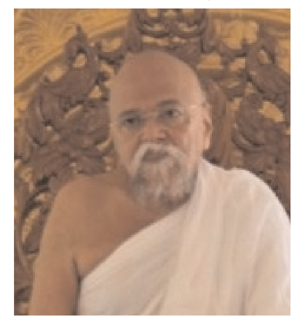

बेंगलूरु। शहर के मुनिसुव्रत कुमारापार्क जैन संघ के तत्वावधान में सुराणा साधना संकुल में प्रवचन करते हुए आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी ने कहा कि जब तक जीवन में राग-द्वेष नहीं मिटते, तब तक कोई भी जप, तप या आराधना सफल नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि राग और द्वेष हमारे अंत:कर्म (भीतर के संस्कारों) से जन्म लेते हैं और वही अंत:कर्म हमारे सबसे बड़े शत्रु बन जाते हैं। हमें सच्ची साधना करनी है, जीवन में शांति और समता प्राप्त करनी है तो हमें अपने अंत:कर्म को शत्रु नहीं, मित्र बनाना होगा जिसके लिए जरूरी है हम जिनवाणी को केवल कानों तक न रखें, बल्कि उन्हें मन में उतारें।

विनय रखें, क्योंकि बिना नम्रता के जिनवचन का बीज मन में नहीं बोया जा सकता। प्रवचन का श्रवण, मनन व पालन करें। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

संजयनगर जैन संघ में संतश्री बसंतमुनि ने किया चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के संजयनगर जैन संघ के तत्वावधान में रविवार को संतश्री बसंतमुनिजी व अभिजीत मुनिजी का चातुर्मास प्रवेश हुआ। इस मौके पर उत्तर भारत प्रवर्तक पंकजमुनिजी भी उपस्थित थे। रविवार को सुबह गंगानगर संघ से संतश्री जुलूस रूप में संजयनगर संघ पहुंचे और स्थानक में प्रवेश किया। इस मौके पर महासंघ के अध्यक्ष भीकमचंद सकलेचा, हस्तीमल बाफना, जैन कॉन्फ्रेंस, गंगानगर संघ, यशवंतपुर संघ, चिक्कबल्लापुर, श्रीरामपुरम सहित अनेक संघ के सदस्य उपस्थित थे। संजयनगर संघ के अध्यक्ष अनिल गन्ना ने सभी का स्वागत किया तथा मंत्री निलेश कुमार मोगरा ने चातुर्मास की रूपरेखा बताई। इस मौके पर महिला मंडल की चेयरपर्सन ललित मोगरा, अध्यक्ष अंजलि बोहरा, मंत्री प्राची कक्कड़, उपाध्यक्ष वंदना सोनी,कोषाध्यक्ष भावना गन्ना,सहमंत्री नीलम लसोड़ व संघ के माणक गन्ना, निर्मल मोगरा, लक्ष्मीलाल दक, पारस श्रीमाल, रमेश नंदावत सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

माध्यम महिला मंडल द्वारा खेल उत्सव आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज द्वारा महिलाओं को सामाजिक सरोकारों से जोड़ने के उद्देश्य से गठित माध्यम महिला मंडल के तत्वावधान में रविवार को गांधीनगर खेल मैदान में संतोष शर्मा की अध्यक्षता में एक दिवसीय महिला खेल उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं ने दिन भर योगासन, टेबल टेनिस, शतरंज, म्यूज़िकल चेयर, नींबू चम्मच दौड़, छोटे बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, बास्केट बॉल सहित अनेक प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर माध्यम महिला मंडल की अध्यक्षा संतोष शर्मा सहित अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं।

नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई, राजशाही का बढ़ रहा है समर्थन

काठमांडू/एपी। नेपाल के पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र शाह के 74वें जन्मदिन के अवसर पर सोमवार को सैकड़ों समर्थक उन्हें बधाई देने के लिए उनके आवास के बाहर एकत्र हुए। सार्वजनिक रूप से बहुत कम दिखाई देने वाले ज्ञानेंद्र शाह ने अपने समर्थकों के साथ आवास पर करीब तीन घंटे समय बिताया। इस बीच, हिमालयी राष्ट्र में अपदस्थ सम्राट के प्रति समर्थन लगातार बढ़ रहा है। ज्ञानेंद्र शाह के समर्थक फूल मालाओं, गुलदस्तों, कार्ड, उपहारों और नेपाली संस्कृति में विशेष अवसरों पर पारंपरिक रूप से पेश किए जाने वाले विभिन्न खाद्य पदार्थों के साथ पूर्व नरेश के आवास के बाहर कतार में खड़े थे।

पारंपरिक नेपाली परिधान में पहुंचे ज्ञानेंद्र के समर्थकों ने नारे लगाते हुए कहा, '' राजा को वापस गद्दी पर बिठाओ और देश को बचाओ। हम अपने राजा को अपनी जान से भी ज्यादा प्यार करते हैं।'' नेपाल में 2008 में राजशाही को समाप्त कर देश को गणतंत्र घोषित किया गया था, तथा राष्ट्रपति को देश का प्रमुख बनाया गया।

नेपाल में हाल के महीनों में ज्ञानेंद्र शाह को फिर से राजा बनाने और हिंदू धर्म को पुन: राजकीय धर्म के रूप में स्थापित करने की मांग बढ़ रही है। राजशाही समूह देश की प्रमुख राजनीतिक पार्टियों पर भ्रष्टाचार और शासन में विफलता का आरोप लगाते हैं और कहते हैं कि लोग नेताओं से निराश हैं। राजा के निवास के बाहर घंटों लाइन में खड़े रहने वाले सेवानिवृत्त कर्मचारी कुला प्रसाद भट्टाराई ने कहा, '' लोग बदलाव की तलाश में थे और उन्होंने राजा को इस उम्मीद में हटा दिया कि यह देश के लिए फायदेमंद होगा। लेकिन यह बहुत गलत था और राजनीतिक दलों ने बार-बार लोगों के विश्वास को धोखा दिया। '' पूर्व नरेश के एक अन्य समर्थक दिवेश सिंह हमाल ने कहा, ''राजनेताओं ने हमारे देश को नुकसान पहुंचाया है। हमें राजा को वापस लाना होगा अन्यथा हमारा देश खत्म हो जायेगा।''

'जीतो' साउथ यूथ विंग ने आयोजित किया 'पिकल फेस्ट 1.0' टूर्नामेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो साउथ यूथ विंग ने पिकल फेस्ट 1.0 टूर्नामेंट का आयोजन रविवार को किया जिसमें 40 से अधिक टीमों ने भाग लिया। यूथ विंग के मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा ने सभी स्वागत किया। बैकयार्ड स्पोटर्स क्लब के तनुज जैन ने टूर्नामेंट के नियमों और प्रारूप के बारे में बताया। टूर्नामेंट में ओपन डबल्स(बिगनर) ध्रुव मेहता, और कुणाल विजेता, शौर्य और अनिरुद्ध उपविजेता, मिक्स्ड डबल्स में मनोज भंडारी और सुनिधि विजेता, आदित्य और रैना उपविजेता, ओपन डबल्स(इंटरमीडिएट) में कृष और विशाल विजेता, समित और मीत उपविजेता बने। मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा, प्रबंध समिति के सदस्य कुणाल राठौड़ और कृष मेहता ने प्रतिभागियों से खेल में सक्रिय रहने और गति बनाने रखने के लिए नियमित मैच और अभ्यास सत्र खेलने का आग्रह किया।

बसवनगुड़ी में गुरु जिनदत्तसूरी की पुण्यतिथि मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

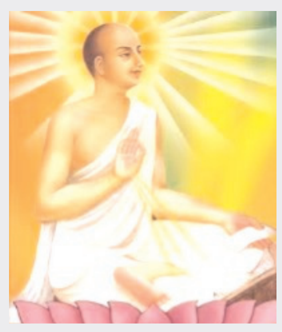

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में मलयप्रभ सागरजी और साध्वी हर्षपूर्णाश्री जी की निश्रा में जिनशासन के प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सूरीश्वरजी महाराजा की 871 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। आराधना भवन में आयोजित गुरु गुणानुवाद सभा में दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी का स्वागत किया । महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि आराधना भवन में साध्वीश्री प्रतिदिन सुबह 9.30 बजे से प्रवचन देगी। मलयप्रभसागर जी ने जिनदत्त सूरीश्वर जी के जीवन के अनेक अनछुए पहलुओं के बारे में बताया। जिनदत्तसूरी जैन आचार्यो की महान परंपरा के उज्ज्वल नक्षत्र हैं। जिनशासन की एक महान परंपरा खरतरगच्छ के वे युगपुरुष हैं। गुरुदेव चमत्कारिक बुद्धि के धनी थे एवं वे अपनी प्रतिभा से सबको चमत्कृत करते हुए अल्प समय में ही समस्त शास्त्रों में पारंगत बने। उन्होंने एक लाख तीस हज़ार लोगों को प्रतिबोध कर उन्हें जिन धर्म का अनुयायी बनाया एवं अनेक नवीन गोत्रों की स्थापना की। साध्वी हर्षपूर्णा श्रीजी ने कहा कि आध्यात्मिक व्यक्तित्व के द्वारा चमत्कार किए नहीं जाते वरना उनकी साधना के बल पर चमत्कार अपने आप घटित हो जाते हैं।

ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि कार्यक्रम में दादागुरु की पूजा अखिल भारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद द्वारा भीकमचंद प्रकाशचंद बरलोटा परिवार के सौजन्य से पढाई गई। इस अवसर पर खरतरगच्छ संघ और युवा परिषद द्वारा आयोजित सदगुरु शरणम यात्रा संघ के फार्म भी वितरित किए गए। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी के दलाई लामा को जन्मदिन की बधाई देने पर चीन ने जताया ऐतराज

बीजिंग/भाषा। चीन ने सोमवार को कहा कि उसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर बधाई देने तथा समारोह में भारतीय अधिकारियों की उपस्थिति को लेकर भारत के समक्ष विरोध दर्ज कराया है।

चीन ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को तिब्बत से संबंधित मुद्दों पर बीजिंग की संवेदनशीलता को पूरी तरह समझना चाहिए।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां एक पत्रकार वार्ता में कहा कि तिब्बत से संबंधित मामलों पर चीन की स्थिति सुसंगत और स्पष्ट है तथा यह सभी को पता है।

माओ प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दलाई लामा को उनके 90वें जन्मदिन पर बधाई देने तथा उनके जन्मदिन समारोह में वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों की उपस्थिति के बारे में पूछे गए प्रश्न का जवाब दे रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि 14वें दलाई लामा राजनीतिक निर्वासन में हैं, जो लंबे समय से अलगाववादी गतिविधियों में लिप्त रहे हैं और धर्म की आड़ में शिजांग को चीन से अलग करने का प्रयास करते रहे हैं।

चीन तिब्बत को शिज़ांग कहता है। उन्होंने कहा कि भारत को शिजांग से संबंधित मुद्दों की संवेदनशीलता को पूरी तरह समझना चाहिए तथा 14वें दलाई लामा की अलगाववादी प्रकृति को पहचानना चाहिए और शिजांग से संबंधित मुद्दों पर चीन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान करना चाहिए।

प्रवक्ता ने कहा कि भारत को विवेकपूर्ण तरीके से काम करना चाहिए और बोलना चाहिए तथा इस मुद्दे का इस्तेमाल चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मामले पर चीन ने भारतीय पक्ष के समक्ष विरोध जताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को दलाई लामा को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि वह प्रेम, करुणा, धैर्य और नैतिक अनुशासन के स्थायी प्रतीक रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू और राजीव रंजन सिंह, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और सिक्किम के मंत्री सोनम लामा धर्मशाला में उनके जन्मदिन के समारोह में शामिल हुए थे।

वर्षावास स्थापना दिवस अनुष्ठान एवं शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केजीएफ। स्थानीय तेरापंथ सभा भवन में निर्धारित वर्षावास स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में साध्वीश्री पावन प्रभा जी के सान्निध्य में वर्षावास स्थापना दिवस अनुष्ठान कार्यक्रम आयोजित किया गया। पावन प्रभाजी ने मंत्रों का महत्व बताते हुए मंत्रों का उच्चारण करवाया। दूसरे चरण में तेरापंथ महिला मंडल का शपथ ग्रहण समारोह हुआ जिसमें अध्यक्ष राजकुमारी बांठिया ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष सरिता बांठिया को शपथ दिलवाई। नई अध्यक्ष ने मंत्री मनीषा बांठिया, उपाध्यक्ष प्रिया बांठिया, सहमंत्र दिक्षिता बांठिया, कोषाध्यक्ष चेतना बांठिया को शपथ दिलवाई। साध्वीश्री पावनप्रभा जी ने महिला मंडल से कहा कि अभातेममं द्वारा दिए गए हर कार्य को अच्छे से करें एवं सब मिलकर काम करने पर सभी कार्य एवं कार्यकाल भी सफल होता है। अध्यक्षा सरिता बांठिया ने संतों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। कार्यक्रम में अच्छी संख्या में श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

यशवंतपुर के तेरापंथ महिला मंडल का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ भवन यशवंतपुर में साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ महिला मंडल का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। मंडल की निवर्तमान अध्यक्ष मीना दक ने स्वागत किया तथा नवमनोनीत अध्यक्ष रेखा पितलिया को शपथ दिलवाई।

अध्यक्ष ने नई टीम में मंत्री टीना पितलिया, कोषाध्यक्ष राजल बाबेल, उपाध्यक्ष नीतू बाबेल, लता भंसाली, सहमंत्री वनिता बोल्या, प्रीति मूथा, प्रचार-प्रसार मंत्री हेमा पोरवाड़, संगठन मंत्री प्रियंका डूंगरवाल, कन्या मंडल की संयोजिका दृष्टि गन्ना, दिया पोरवाड़ को शपथ दिलवाई। साध्वीश्री सोमयशाजी व सरलप्रभाजी सहित अभातेमम की पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री वीणा बैद, मधु कटारिया, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, मंत्री अनिल दक ने शुभकामनाएं दी। संचालन लाडली मुथा ने किया। रेखा पितलिया ने धन्यवाद दिया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद कंगना रनौत सोमवार को मंडी में मंडी लोकसभा के नाचन विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित पंगलियुर गांव का दौरा किया। पंगलियुर गांव में आई बाढ़ की त्रासदी में दो परिवारों के नौ लोग बह गए, जिनमें से पांच अभी भी लापता हैं।

पहलगाम के नुनवान बेस कैंप में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना होते साधुओं ने जयकारे लगाते हुए।

शुभांशु शुक्ला ने आईएसएस तक अपनी सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के इसरो के प्रयासों की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

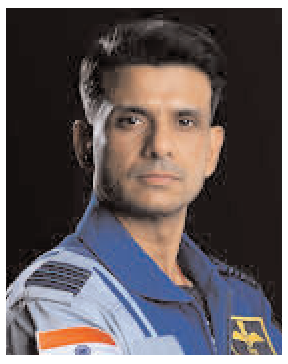

बेंगलूरु। एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद भारतीय गगनयात्री शुभांशु शुक्ला ने आईएसएस तक उनकी सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र (इसरो) के प्रयासों की सराहना की है। इसरो ने बताया कि शुक्ला ने छह जुलाई को भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी के अध्यक्ष वी नारायणन को फोन किया था। उसने बताया कि फोन पर बातचीत के दौरान नारायणन ने शुक्ला का हालचाल पूछा और आईएसएस पर किए जा रहे विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों एवं गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। अंतरिक्ष विभाग के सचिव नारायणन ने शुक्ला के धरती पर लौटने के बाद सभी प्रयोगों और गतिविधियों का सावधानीपूर्वक दस्तावेजीकरण करने के महत्व पर बल दिया, क्योंकि इससे भारत के मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियान 'गगनयान' के विकास के लिए बहुमूल्य अंतर्दृष्टि एवं जानकारी हासिल करने में मदद मिलेगी।

इसरो के मुताबिक, 'गगनयान' अभियान का मकसद पृथ्वी की निचली कक्षा में मानवयुक्त अंतरिक्ष यान प्रक्षेपित करने की भारत की क्षमता का प्रदर्शन करना है और इस मिशन से प्राप्त अनुभव एवं ज्ञान इसकी ('गगनयान' अभियान की) सफलता के लिए महत्वपूर्ण होंगे। शुभांशु शुक्ला के आईएसएस मिशन को इसरो-एक्सिओम अंतरिक्ष उड़ान समझौते के तहत क्रियान्वित किया गया है। चर्चा में इसरो के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया, जिनमें विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के निदेशक और मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम प्रबंधन परिषद के अध्यक्ष डॉ. उन्नीकृष्णन नायर; द्रव नोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी) के निदेशक एम मोहन; इसरो जड़त्वीय प्रणाली इकाई (आईआईएसयू) के निदेशक पद्मकुमार ई एस; इसरो के वैज्ञानिक सचिव एम गणेश पिल्लई और एलपीएससी के पूर्व निदेशक एन वेदाचलम शामिल थे।

बातचीत में शुक्ला ने अंतरिक्ष स्टेशन पर किए जा रहे प्रयोगों और गतिविधियों की प्रगति पर जानकारी भी साझा की। उन्होंने वैज्ञानिक उद्देश्यों और चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला।

नाबालिगों के उत्पीड़न के मामले में दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। दक्षिण कन्नड़ जिले के पुत्तूर शहर में एक नाबालिग लड़के और एक लड़की का उत्पीड़न करने और एक वीडियो में साम्प्रदायिक टिप्पणी करते हुए उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि नाबालिग लड़के के पिता द्वारा दर्ज करायी गयी शिकायत के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, पांच जुलाई को शिकायतकर्ता का बेटा और उसकी परिचित एक लड़की पुत्तूर कसाबा गांव के बीरमाले हिल के पास बैठे हुए थे, तभी आरोपी वहां पहुंचे। उसने बताया कि आरोपियों ने नाबालिगों के साथ कथित रूप से गाली-गलौच की और धमकी दी कि वे उनका वीडियो बनाकर उसे ऑनलाइन पोस्ट करेंगे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने यह पूरी घटना वहां मौजूद लोगों के सामने रिकॉर्ड की और बाद में उस वीडियो को व्हाट्सऐप और इंस्टाग्राम पर प्रसारित कर दिया तथा वीडियो में सांप्रदायिक टिप्पणियां भी कीं।

कोविड टीकाकरण एवं हृदयाघात के बीच संबंध को लेकर सिद्दरामय्या का बयान दुर्भावनापूर्ण इरादे से नहीं था : दिनेश गुंडूराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कोविड के टीकाकरण और हृदयाघात के संबंध में जो बयान दिया था, वो किसी दुर्भावनापूर्ण इरादे से नहीं दिया था। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा था कि हासन जिले में हाल में दिल के दौरे से हुई मौत की घटनाएं टीकाकरण अभियान से जुड़ी हो सकती हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि टीकों को जल्दबाजी में मंजूरी दी गई थी। उनके बयान की भाजपा और बायोकॉन की संस्थापक किरण मजूमदार शॉ जैसे लोगों ने तीखी आलोचना की।

राव ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मुख्यमंत्री की मंशा अच्छी थी, लेकिन कुछ लोगों ने इसे गलत समझ लिया। वह कोविड और उसके टीकाकरण के दुष्प्रभाव के बारे में जानना चाहते थे।'' मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, ''इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि कोविड के टीकाकरण को जल्दबाजी में मंजूरी देना और लोगों को वितरित करना भी इन मौतों का एक कारण हो सकता है, क्योंकि दुनिया भर में हाल ही में हुए कई अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि कोविड टीकाकरण दिल के दौरे की बढ़ती संख्या का एक कारण हो सकता है। भाजपा इस मामले पर हमारी आलोचना करने से पहले अपनी अंतरात्मा से सवाल करे।''

कर्नाटक में हृदयाघात से हुई मौतों के हालिया मामलों की जांच करने वाली विशेषज्ञ समिति ने यह निष्कर्ष निकाला है कि किसी व्यक्ति में समय से पहले हुए हृदय रोग (प्रिमेच्योर कार्डियोवैस्कुलर डिजीज) का कोविड-19 संक्रमण या कोविड टीकाकरण के बीच कोई संबंध नहीं है। समिति की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 टीकाकरण दीर्घकालिक रूप से हृदयाघात की घटनाओं के खिलाफ सुरक्षात्मक साबित हुआ है। राज्य सरकार ने हासन जिले में हृदयाघात से हुई 20 से अधिक लोगों की मौत की जांच के लिए 'जयदेव हृदय विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान' के निदेशक डॉ. रवीन्द्रनाथ की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति गठित की है। सरकार को दो जुलाई को सौंपी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान आंकड़ा इस बात का समर्थन नहीं करता है कि युवाओं के बीच अचानक हृदयाघात की घटनाओं में हुई वृद्धि के लिए लंबे समय तक हुआ कोविड जिम्मेदार है।

उदघाटन

बेंगलूरु में सोमवार को बोम्मसान्द्रा में बने नए 'स्वेयू हेल्थकेयर' के उद्घाटन में बेंगलूरु मध्य के सांसद पी. सी. मोहन ने भाग लिया। स्वेयू हेल्थकेयर गुणवत्तापूर्ण, किफायती चिकित्सा सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बोम्मसान्द्रा क्षेत्र के रहवासियों के लिए यह काफी उपयोगी साबित होगा।

दिव्यांग व्यक्तियों पर महत्वपूर्ण जानकारियों का अभाव न्यायिक सुधार को कठिन बनाता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। न्याय प्रणाली में दिव्यांग व्यक्तियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां या तो गायब है या फिर असंगत है, जिससे जवाबदेही तय करना और उनमें जरूरी सुधार कर पाना मुश्किल हो रहा है। भारत में पहली बार किए गए एक अलग तरह के शोध अध्ययन - भारत में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए न्याय तक पहुंच: एक जानकारी आधारित 'रिपोर्ट' में यह बात सामने आई हैं।

बेंगलूरु स्थित विधि एवं नीति से संबंधित संस्था 'पैक्टा' द्वारा जारी की गई इस रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की पुलिस, जेल, न्यायपालिका और कानूनी सहायता प्रणालियों में दिव्यांग व्यक्तियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी की भारी कमी है और उन्हें इस प्रणालियों से काफी हद तक बाहर रखा गया है। रिपोर्ट में यह भी उजागर किया गया है कि कुछ प्रगतिशील आदेशों के बावजूद भारत की न्याय प्रणाली विश्वसनीय आंकड़ों के अभाव और संस्थागत स्तर पर कमजोर कार्यान्वयन के कारण काफी हद तक दिव्यांग व्यक्तियों के पहुंच से बाहर है। इस रिपोर्ट की प्रस्तावना में भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ ने कहा है कि जानकारी आधारित रिपोर्ट बेहद मूल्यवान होती हैं।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने अपनी प्रस्तावना में लिखा, ''ये उपख्यान या नैतिक अपील से कहीं आगे जाती हैं। ये सटीक नीति निर्माण को सक्षम बनाती हैं, अनुपालन पर नजर रखती हैं और जवाबदेही बनाती हैं।''

पैक्टा की संस्थापक निवेदिता कृष्णा के अनुसार, भारत में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए न्याय प्रणाली में आगे बढ़ना कठिन बना हुआ है - जिसमें भौतिक, प्रक्रियात्मक, मनोवृत्तिगत और प्रणालीगत बाधाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''भारत में 2.6 करोड़ से अधिक दिव्यांग व्यक्ति न्याय प्रणाली से बाहर हैं। न्याय प्रणाली में दिव्यांग व्यक्तियों को पूर्ण रूप से शामिल करने के लिए जागरूकता, आरक्षण नीतियों के प्रवर्तन, बुनियादी ढांचे की पहुंच और व्यापक आंकड़ा संग्रह के माध्यम से दिव्यांगता समावेशन पर निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता है।''

लड़की को 'अश्लील संदेश' भेजने पर युवक से मारपीट

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बाहरी इलाके में कॉलेज के एक छात्र का कथित तौर पर अपहरण करने के बाद उसे निर्वस्त्र कर बुरी तरह पीटने के मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह घटना बेंगलूरु के पास नेलमंगला तालुका के सोलदेवनहल्ली में 30 जून को हुई। पीड़ित छात्र कुशल ने कथित तौर पर एक लड़की को 'अश्लील संदेश' भेजा था जिसकी शिकायत लड़की ने अपने दोस्तों से की। इसके बाद आरोपियों ने 30 जून को कुशल को एक कार में अगवा कर लिया और उसे एक सुनसान जगह पर ले गए जहां उसे निर्वस्त्र कर उससे मारपीट की गई। कन्नड़ अभिनेता दर्शन से जुड़े रेणुकास्वामी हत्या मामले का जिक्र किया और कुशल को उसी तरह जान से मारने की धमकी भी दी।

पहले एनएसआर प्री-डॉक फेलो ने पीएचडी पूरी की, आईआईएम बेंगलूरु के लिए मील का पत्थर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुहम्मद सादिक टी. भारतीय प्रबंधन संस्थान, बेंगलूरु (आईआईएम-बी) में एनएस रामास्वामी प्री-डॉक्टोरल फेलोशिप (एनएसआर प्री-डॉक) के तहत डॉक्टरेट की डिग्री पूरी करने वाले पहले फेलो बन गए हैं, जो संस्थान के एक वर्षीय, पूर्णकालिक, पूर्ण वित्तपोषित, गहन-शोध कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आईआईएम-बी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि 2018-19 में पहले एनएसआर प्री-डॉक बैच का हिस्सा रहे सादिक ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास में अपनी डॉक्टरेट थीसिस सफलतापूर्वक पेश की और आगामी आईआईएमबी दीक्षांत समारोह में उन्हें औपचारिक रूप से पीएचडी प्रदान की जाएगी।

विज्ञप्ति में एनएसआर प्री-डॉक कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर अनिल बी सूरज के हवाले से कहा गया है, मौजूदा समय में हमारे 51 प्री-डॉक फेलो ने दुनियाभर में पीएचडी कार्यक्रमों में दाखिला हासिल किया है। यह किसी प्री-डॉक फेलो को प्रदान की गई पहली पीएचडी है। हमें विश्वास है कि इस तरह की कई और उपलब्धियां सामने आएंगी। सादिक ने प्रोफेसर साजी के. मैथ्यू के मार्गदर्शन में आईआईटी मद्रास के प्रबंधन अध्ययन विभाग से सूचना प्रणाली में डॉक्टरेट की डिग्री हासिल की। उनकी थीसिस सोशल मीडिया पर गलत सूचना के प्रसार के लिए जिम्मेदार प्रमुख घटकों और नियंत्रण रणनीतियों की पड़ताल करती है, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग मंचों पर गलत सूचना पर लगाम लगाने के लिए डिजिटल नज की प्रभावशीलता का आकलन करती है और उन सामाजिक-मनोवैज्ञानिक कारकों का पता लगाती है, जो उपयोगकर्ताओं को स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचना साझा करने के लिए प्रेरित करते हैं।

एनएसआर प्री-डॉक्टोरल फेलोशिप एक अद्वितीय, पूर्णतः वित्तपोषित प्रशिक्षुता कार्यक्रम है, जिसे प्रबंधन अनुसंधान में विविधता बढ़ाने तथा भारत और विदेश में अग्रणी संस्थानों में डॉक्टरेट अध्ययन के लिए फेलो तैयार करने के वास्ते डिजाइन किया गया है।

चार करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ बरामद

बेंगलूरु। कर्नाटक के केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास तीन नाइजीरियाई लोगों को गिरफ्तार किया गया जिनके पास से 2.8 किलोग्राम सिंथेटिक मादक पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उनके पास से करीब 400 किलोग्राम हाइड्रो गांजा भी बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत चार करोड़ रुपये से अधिक है। बेंगलूरु ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सी. के. बाबा के अनुसार, विदेशी नागरिक मेडिकल वीजा पर भारत आए थे और पाया गया कि वे निर्धारित अवधि से अधिक समय तक भारत में रुके हुए थे। बाबा ने पत्रकारों से कहा, ''विश्वसनीय खुफिया जानकारी और निगरानी के आधार पर, हमारी टीम ने विदेशी नागरिकों की संदिग्ध गतिविधि की पहचान की।'' अधिकारी ने बताया कि राजनकुंटे स्थित उनके आवास की तलाशी के दौरान पुलिस ने 2.8 किलोग्राम एमडीएमए क्रिस्टल, लगभग 400 किलोग्राम हाइड्रो गांजा, दो लाख रुपये से अधिक नकदी, सात मोबाइल फोन, पैक करने की सामग्री और इलेक्ट्रोनिक तराजू जब्त की। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपियों ने चिकित्सा कारणों का हवाला देते हुए दिसंबर 2024 में दिल्ली के रास्ते भारत में प्रवेश किया था। राजधानी में अपना प्रवास पूरा करने के बाद वे बेंगलुरु पहुंचे, जहां से वे कथित तौर पर अपना काम कर रहे थे। बाबा ने कहा, उन्होंने कपड़ों को पैक करने में इस्तेमाल होने वाली कार्डबोर्ड शीट के भीतर मादक पदार्थ को छिपाया और इसे एक स्थान से दूसरे स्थान तक गुप्त रूप से ले गए।

सम्मेलन

सोमवार को बेंगलूरु में गांधी भवन में संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा आयोजित किसान सम्मेलन के दौरान किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल, कुरुबुरू शांताकुमार और अन्य।

पुस्तक लेखकों, ग्राम पंचायतों के सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों ने वेतन में वृद्धि की मांग को लेकर सोमवार को बेंगलूरु में विरोध प्रदर्शन किया।

अभिनेत्री राम्या ने किया क्यूपीएल-2.0 के लोगो का अनावरण

बेंगलूरु। क्वींस प्रीमियर लीग (क्यूपीएल) ने अपने दूसरे सीजन के लिए 'क्रीडोत्सव' के लोगो का अनावरण किया। इस लीग को और रोमांचक बनाने के लिए इसके 12 नए खेलों को शामिल किया गया है। इस अनावरण कार्यक्रम में क्यूपीएल के संस्थापक महेश गौड़ा, लोकप्रिय अभिनेत्री व ब्रांड एम्बेसडर राम्या, प्रसिद्ध अभिनेता और क्यूपीएल समिति के सदस्य प्रमोद शेट्टी, बॉलीवुड अभिनेत्री एली अवराम ने लोगो का अनावरण किया। महेश गौड़ा ने कहा, क्यूपीएल 2.0 के साथ, हम न केवल आगे बढ़ रहे हैं - बल्कि हम खेल और मनोरंजन के क्षेत्र में महिलाओं के लिए क्रांति ला रहे हैं। उन्होंने कहा, इस सीजन का लक्ष्य 50 मिलियन डिजिटल व्यू तक पहुंचना, पूरे भारत में विस्तार करना और वास्तविक, समावेशी प्रभाव पैदा करना है। आज के युवाओं को ऑनलाइन गेमिंग और मोबाइल के अत्यधिक उपयोग में तेजी से डूबते देखना चिंताजनक है।

क्यूपीएल वह जगह है जहाँ मनोरंजन के साथ साथ फिटनेस, महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना भी हमारा लक्ष्य है। प्रमोद शेट्टी ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला हस्तियों सिलेब्रिटियों को जोड़ना ताकि युवा वर्ग आगे बढ़ने के लिए जागरूक हो। अभिनेत्री राम्या ने भी इस पहल का समर्थन किया और युवा वर्ग को आगे आकर इसमें भाग लेने की सलाह दी।

'डिजिटल अरेस्ट' करके मंगलुरु की महिला से 3.16 करोड़ रुपये की ठगी

मंगलूरु। मंगलूरु की एक महिला से ठगों ने पुलिस अधिकारी बनकर बात की और डिजिटल अरेस्ट का बहाना बनाकर उसे 3.16 करोड़ रुपए से ज़्यादा की रकम अंतरित करने के लिए मजबूर किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। नाम न जाहिर करने का अनुरोध करते हुए महिला (40) ने साइबर इकोनॉमिक एंड नारकोटिक्स क्राइम (सीईएन) पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

शिकायत में महिला ने कहा है कि छह जून को उसे एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने दावा किया कि वह राष्ट्रीय अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल का अधिकारी है। उन्होंने बताया कि फोन करने वाले ने आरोप लगाया कि उसके पति के नाम पर पंजीकृत सिम कार्ड का दुरुपयोग किया जा रहा है। कॉल को कई बार स्थानांतरित किया गया और अंततः किसी ऐसे व्यक्ति ने फोन पर बात की जो स्वयं को सरकारी वकील बता रहा था। अगले कुछ सप्ताह में जालसाजों ने उसकी व्यक्तिगत और बैंकिंग जानकारी एकत्रित कर ली और उसे कई बार धन अंतरित करने का निर्देश दिया तथा आश्वासन दिया कि सत्यापन के बाद पैसा वापस कर दिया जाएगा।

मुलाकात

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सोमवार को बेंगलूरु में विधान सौधा में ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी (जीबीए) के संबंध में गृह मंत्री जी. परमेश्वर, संयुक्त समीक्षा समिति के अध्यक्ष रिजवान अरशद, जीबीए अधिकारियों से मुलाकात की।

सी-प्लेन सेवाओं के लिए भी राजस्थान संभावनाशील राज्य : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार ने नागरिक उड्डयन के समग्र विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। क्षेत्रीय हवाई संपर्क (आरसीएस) उड़ानों के लिए विमान ईंधन पर वैट को 26 प्रतिशत से घटाकर एक प्रतिशत किया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण तथा किशनगढ़ हवाई अड्डे के विकास एवं विस्तार के लिए नि:शुल्क एवं बाधामुक्त भूमि उपलब्ध करवाई गई है। साथ ही, उदयपुर हवाई अड्डे के विकास एवं विस्तार तथा उत्तरलाई (बाड़मेर) में सिविल एन्क्लेव के निर्माण के लिए भी नि:शुल्क एवं बाधामुक्त भूमि आवंटन प्रक्रियाधीन है।

दक ने शुक्रवार को देहरादून में आयोजित उत्तरी क्षेत्र नागरिक उड्डयन मंत्रियों के सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पर्यटन स्थल, धार्मिक स्थल, औद्योगिक क्षेत्र और शैक्षिक संस्थान बड़ी संख्या में हैं, जिसके दृष्टिगत क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना राज्य के लिए अत्यंत महत्पूर्ण है। नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया कि वर्तमान में राज्य में तीन हवाई अड्डों से आरसीएस उड़ाने संचालित हैं। राज्य सरकार ने माउंट आबू, सीकर, सवाई माधोपुर, भीलवाड़ा और श्रीगंगानगर जैसे महत्वपूर्ण स्थलों को भी इस योजना में शामिल करने का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा है। इससे प्रदेश में पर्यटन और रोजगार के नये द्वार खुलेंगे। साथ ही, बीकानेर, जोधपुर और किशनगढ़ से मुम्बई, कोलकाता, सूरत और बेंगलुरू जैसे महानगरों के लिए नियमित उड़ानें शुरू किए जाने का भी केन्द्र सरकार से आग्रह किया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार की 19 हवाई पट्टियां हैं, जिनकी लम्बाई 3,300 फीट से लेकर 9,800 फीट तक है। इन हवाई पट्टियों को विभिन्न प्रकार की गतिविधियों जैसे- फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन, एयर स्पोर्ट्स एवं एमआरओ संचालन आदि के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है। निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का सफल आयोजन किया गया है। साथ ही, राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम (रिप्स) में भी विशेष प्रावधान किये गए हैं। दक ने बताया कि किशनगढ़ में एक एफटीओ कार्यरत है, भीलवाड़ा में अगस्त, 2025 से नया एफटीओ शुरू होगा। निवेशकों से अब तक 10 से अधिक एमओयू किए जा चुके हैं, जिनसे लगभग 1500 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है।

नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि हेलीकॉप्टर सेवाओं के क्षेत्र में भी राजस्थान में अपार संभावनाएं हैं। राज्य में लगभग 118 हैलीपेड हैं। राज्य सरकार द्वारा सभी जिला मुख्यालयों सहित प्रमुख पर्यटन स्थलों तथा चिकित्सा सहायता एवं इमरजेंसी रेस्पॉन्स के लिए भी अतिरिक्त हैलीपेड का निर्माण प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि राज्य में हेलीकॉप्टर पर्यटन, धार्मिक यात्रा, जॉय राइड जैसी सेवाओं की योजना प्रस्तावित है। साथ ही, हेलीकॉप्टर आपात चिकित्सा सेवा की व्यवस्था पर भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके लिए व्यावहारिक ऑपरेशनल मॉडल के विकास एवं मानक प्रक्रियाओं के निर्धारण में केन्द्र सरकार से सहयोग अपेक्षित है। दक ने कहा कि राज्य के कुछ जिले जैसे उदयपुर, कोटा (चम्बल), बांसवाड़ा, टोंक (बीसलपुर) आदि सी-प्लेन सेवाओं के लिए संभावनाशील हैं। उन्होंने केन्द्र सरकार से इन स्थलों की व्यवहार्यता का अध्ययन करवाये जाने तथा सी-प्लेन संचालन के लिए इन स्थलों को आरसीएस योजना के अंतर्गत शामिल किए जाने का अनुरोध किया। नागरिक उड्डयन मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2024 में नागरिक उड्डयन नीति लागू की है, जिसके अंतर्गत हम पूरे क्षेत्र का सुनियोजित और सतत विकास करना चाहते हैं। उन्होंने इस कार्य में केन्द्र सरकार से वित्तीय सहायता, तकनीकी मार्गदर्शन और नीतिगत सहयोग की अपेक्षा की।

मन्नत पूरी होने पर कारोबारी ने सांवरिया सेठ में चढ़ाई चांदी से बनी पेट्रोल पंप मशीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़ । राजस्थान के चित्तौड़गढ़ से श्रद्धा और आस्था से जुड़ा एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक कारोबारी की मन्नत पूरी हुई तो उसने मंदिर में चांदी से बनी पेट्रोल पंप मशीन चढ़ाई है। इस कारोबारी ने चांदी से बनी पेट्रोल पंप मशीन के साथ सांवरिया सेठ को छप्पन भोग अर्पित किए। जारोली परिवार की चित्तौड़गढ़ जिले के डूंगला क्षेत्र में अच्छी खासी पहचान है। परिवार के अनुसार, बेटे कुशल कुमार और सुशील कुमार ने एक नए पेट्रोल पंप के लिए आवेदन किया था, लेकिन उसमें अड़चनें आ रही थीं। इसके चलते लगातार असफलता मिल रही थी। ऐसे ही कठिन समय में उन्होंने चित्तौड़गढ़ के प्रसिद्ध सांवरिया सेठ के दरबार में मन्नत मांगी कि अगर उनका काम बन गया तो वो ठाकुरजी को विशेष भोग अर्पित करेंगे और चांदी की प्रतीकात्मक पेट्रोल पंप मशीन भेंट करेंगे।

कुछ ही समय बाद उनकी मन्नत पूरी हुई। उन्हें पेट्रोल पंप खोलने का लाइसेंस मिल गया, जिसके बाद बड़ीसादड़ी क्षेत्र में उनके फिलिंग स्टेशन का शुभारंभ हुआ। इसी कड़ी में आभार स्वरूप शनिवार को डीजे की धुन पर झूमते श्रद्धालुओं के साथ नगर भ्रमण करते हुए भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा आवरी माता रोड स्थित होटल से शुरू हुई, जहां से छप्पन भोग और चांदी की पेट्रोल पंप मशीन की प्रतिमा लेकर श्रद्धालु नाचते-गाते सांवलिया सेठ मंदिर पहुंचे। मंदिर परिसर 'सांवलिया सेठ की जय के जयकारों से गूंज उठा। परिवार के लोग चांदी से बनी प्रतीकात्मक पेट्रोल पंप मशीन को सिर पर रखकर मंदिर के अंदर ले गए। उन्होंने सांवलिया सेठ के चरणों में मशीन को अर्पित किया। इस दौरान छप्पन भोग प्रसाद भी चढ़ाया गया। इस अवसर पर राज्य के सहकारिता और पर्यटन मंत्री गौतम दक भी मौजूद रहे। श्रद्धा की भावना से भरे अनोखे तोहफे की हर जगह चर्चा हो रही है। सोशल मीडिया पर भी वीडियो काफी देखा जा रहा है।

खनिजों के समुचित दोहन से अर्थव्यवस्था को मिल रही गति : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य में प्रचुर मात्रा में खनिज संसाधन उपलब्ध हैं तथा खनन की अपार संभावनाएं हैं। इन संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग से न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा बल्कि स्थानीय रोजगार और क्षेत्रीय विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में खनन से राजस्व अर्जन के साथ खनन और पर्यावरण के मध्य संतुलन पर भी विशेष जोर दे रही है। केन्द्र एवं राज्य सरकार के बेहतरीन सामंजस्य से प्रदेश में खनन के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हो रहा है।

शर्मा एवं केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर खान विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में असीम खनिज संपदा की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए नए खनिज ब्लॉक्स की पहचान की जाए। साथ ही, नीलामी प्रक्रिया में तेजी लायी जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्र सरकार से समन्वय करते हुए इस क्षेत्र में पर्यावरण क्लीयरेंस में भी गति लायी जाए जिससे समयबद्ध खनन सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 82 प्रकार के धात्विक एवं अधात्विक खनिज हैं जिनमें से 57 प्रकार के खनिजों का दोहन किया जा रहा है। राज्य की खनिज संपदा बहुमूल्य एवं दुर्लभ है। ऐसे में इस संपदा का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए जिससे अधिक से अधिक उद्योगपति प्रदेश में निवेश करें। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा खनन नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन किया जाए। इसके लिए इस क्षेत्र में अन्य राज्यों द्वारा किए जा रहे कार्यों का भी अध्ययन करें। केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि राजस्थान खनिज संपदा की दृष्टि से समृद्ध राज्य है। यहां बहुमूल्य एवं दुर्लभ खनिज की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में ग्रीन एनर्जी सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए दुर्लभ खनिजों के सुनियोजित एवं तीव्र खनन पर विशेष बल दे रहे हैं। इस दिशा में राजस्थान की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। केन्द्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजस्थान खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, स्थानीय विकास और निवेश आकर्षण के लिए उल्लेखनीय काम कर रहा है। परिणामस्वरूप हाल ही में देशभर में खनिज ब्लॉकों की नीलामी में अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए राजस्थान को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया था। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस क्षेत्र में और अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए प्रो-एक्टिव अप्रोच के साथ काम करें।

झुंझुनू में उद्घाटन से पहले ही सड़क बही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झुंझुन। राजस्थान में झुंझुनू जिले के बाघोली क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-52 को जोड़ने वाली बाघोली-जहाज सड़क काटली नदी क्षेत्र में बरसात के पानी में बह गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस सड़क का हाल ही में निर्माण कार्य पूरा हुआ था और इसका औपचारिक रूप से उद्घाटन होना था। उद्घाटन से पहले ही सड़क का एक बड़ा हिस्सा काटली नदी के बहाव में समा गया। सड़क के बहने से सड़क पर करीब 35 फुट का गहरा गड्ढा बन गया। इससे पापड़ा और पंचलगी सहित कई गांवों का संपर्क मुख्य मार्ग से पूरी तरह से टूट गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग -52 को जोड़ने वाली बाघोली-जहाज सड़क का कार्य हाल ही में पूरा हुआ था। इस सड़क के टूटने के बाद काटली नदी के किनारे बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गये। उन्होंने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच करने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग करते हुए सड़क के पुनर्निर्माण से पहले तकनीकी विशेषज्ञों की निगरानी में काम करवाने की मांग की, जिससे भविष्य में ऐसी स्थिति फिर न आये।

जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक मंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को जोधपुर जिले के कुड़ी भगतासनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कुछ कार्मिकों की अनुपस्थित और अस्पताल परिसर में अव्यवस्थाएं मिलने पर संसदीय कार्य मंत्री ने संयुक्त निदेशक, डॉ. नरेन्द्र सक्सेना को मौके पर बुलाकर तत्काल कार्रवाई कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

पटेल ने कहा राज्य सरकार का लक्ष्य है कि क्षेत्र की जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले। इसके लिए चिकित्सा विभाग के अधिकारी, चिकित्सक और नर्सिंगकर्मी पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें।

उन्होंने कहा कि मरीजों के उपचार और अस्पताल संचालन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पटेल ने जनरल ओपीडी, लेबर रूम, इंजेक्शन एवं ड्रेसिंग कक्ष, ईसीजी कक्ष, पुरूष वार्ड, महिला वार्ड, लेबर रूम, टीकाकरण कक्ष, पंजीकरण रजिस्टर एवं दवाओं के स्टॉक का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

संसदीय कार्य मंत्री ने सभी कार्मिकों को निर्देश दिए कि अस्पताल में समय पर उपस्थित रहकर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराएं। उन्होंने अभियान चलाकर अस्पताल परिसर एवं सभी वार्ड में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि चिकित्सक विशेष ध्यान रखें कि मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो । उन्होंने अस्पताल के वार्डों के अवलोकन के दौरान मरीजों एवं उनके परिचायकों से बातचीत कर राज्य सरकार द्वारा मिल रही नि:शुल्क दवा, नि:शुल्क जांच सहित अन्य सुविधाओं का फीडबैक लिया।

पटेल ने संयुक्त निदेशक और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को क्षेत्र के चिकित्सा संस्थानों में अधिकाधिक औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने रजिस्ट्रेशन काउंटर,आवश्यक सामग्री एवं शुद्ध पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर निगम दक्षिण की महापौर सुवनिता सेठ भी उपस्थित रही।

राजस्थान में मानसून मेहरबान, सामान्य से 126 प्रतिशत अधिक बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मानसून की मेहरबानी से इस सीजन में अब तक औसतन सामान्य से 126 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग का कहना है कि राज्य के अनेक भागों में बारिश का दौर अभी जारी रहने की उम्मीद है। विभाग के अनुसार राज्य में इस साल एक जून से सात जुलाई तक की अवधि में अब तक कुल मिलाकर 183.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई जो सामान्य 81.3 प्रतिशत से 126 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान पूर्वी राजस्थान में 284.5 मिलीमीटर (सामान्य 111.7 मिलीमीटर से 155 प्रतिशत अधिक) व पश्चिमी राजस्थान में 103.2 मिलीमीटर (सामान्य 57 मिलीमीटर से 81 प्रतिशत अधिक) बारिश हुई है।

जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि पूर्वी राजस्थान में सबसे अधिक बारिश वाले पांच जिलों में करौली, भीलवाड़ा, धौलपुर, दौसा व टोंक है। करौली में इस मानसून सीजन में अब तक सामान्य 95.5 मिलीमीटर की तुलना में 258 प्रतिशत अधिक 341.8 मिलीमीटर बारिश हुई है। इसी तरह पश्चिमी राजस्थान, जहां अधिकांश जिलों में मानसून आमतौर पर सबसे बाद में और थोड़ी बारिश के साथ पहुंचता है, वहां भी इस बार अच्छी बारिश हुई है। जालोर में इस अवधि में आमतौर पर 70.6 मिलीमीटर बारिश होती है लेकिन इस बार अब तक 209 प्रतिशत अधिक 218.1 मिलीमीटर बारिश हुई है। उन्होंने बताया कि 'मानसून ट्रफ' लाइन सोमवार को राज्य के गंगानगर से होकर गुजर रही है। इससे राज्य के भरतपुर, जयपुर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के कुछ भागों में आगामी एक दो तीन दिन मध्यम से तेज व कहीं कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं गंगानगर तथा हनुमानगढ़ जिलों में भी बारिश हो सकती है।

'मानसून ट्रफ' एक निम्न दबाव का क्षेत्र है जो उत्तर-पश्चिम भारत से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैला होता है। उल्लेखनीय है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने इस बार अपने सामान्य समय से एक हफ्ते पहले 18 जून को राजस्थान में दस्तक दे दी।

खनन क्षेत्र में अग्रणी केन्द्र बनेगा राजस्थान : भजानलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान खनन क्षेत्र के विकास के लिए पारदर्शी प्रक्रियाओं, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा आधारभूत संरचना के विस्तार के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान खनन में अग्रणी केंद्र बने। उन्होंने कहा कि राजस्थान में लोहे से लेकर सोने तक खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे प्रदेश में निवेश करें, राज्य सरकार उन्हें हर संभव सहयोग देने के लिए कटिबद्ध है।

शर्मा एवं केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में भारतीय खान ब्यूरो द्वारा आयोजित 7 एवं 5 स्टार रेटिंग वाली खदानों के सम्मान समारोह में शिरकत कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि स्टार रेटिंग प्रणाली खनन गतिविधियों की मूल्यांकन प्रक्रिया के साथ पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा देती है।

इस प्रणाली के तहत खनन पट्टों के प्रदर्शन को वैज्ञानिकता, सतत विकास, जल प्रबंधन, पौधारोपण और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे महत्वपूर्ण मापदंडों पर आंकना शुरू किया है। उन्होंने भारतीय खान ब्यूरो द्वारा पुरस्कृत खदानों के प्रतिनिधियों को बधाई देते हुए कहा कि राजस्थान में भी खदानों का इसी प्रकार से मूल्यांकन कर रेटिंग देने का नवाचार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान खनिजों का संग्रहालय है। आज प्रदेश में 57 प्रकार के धात्विक एवं अधात्विक खनिजों का दोहन किया जा रहा है। यहां उत्पादित खनिज देश के कुल खनिज उत्पादन मूल्य का 12 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रधान खनिज के खनन पट्टों की नीलामी में शतक लगा चुका है। देशभर में आवंटित प्रधान खनिज के 500 ब्लॉक्स में से राजस्थान ने 20 प्रतिशत से अधिक यानी 100 से अधिक ब्लॉक्स आवंटित करने का कीर्तिमान बनाया है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में पूर्ववर्ती सरकार के समय वर्ष 2023-24 में माइनिंग रॉयल्टी के रूप में राजस्व 3 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ महज 7 हजार 460 करोड़ रुपये रहा जबकि हमारे प्रयासों से 2024-25 में रॉयल्टी राजस्व 9 हजार 228 करोड़ रहा, जो गत वर्ष से 24 प्रतिशत अधिक था।

अधिकारी लोक हित में पूरी संवेदनशीलता और अनुशासन के साथ करें काम : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा है कि प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के निराकरण के साथ ही समग्र जन कल्याण और सामुदायिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इन प्रयासों में कहीं कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। पटेल ने यह बात सोमवार को जोधपुर सर्किट हाऊस में जनसुनवाई के दौरान कही। उन्होंने आमजन की समस्याओं को सुना तथा इनके बारे में संबंधित अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी लेते हुए उनके संतोषपूर्ण एवं त्वरित समाधान के लिए व्यापक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

पटेल ने कहा कि जनता तथा क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के प्रति अधिकारी गंभीरता बरतें तथा जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए सुशासन से परिपूर्ण राज-काज का आदर्श प्रस्तुत करें। इसके लिए विभागीय स्तर पर जन समस्याओं के निस्तारण की पहल करें ताकि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निराकरण जल्द से जल्द हो सकें और इसके लिए उन्हें किसी प्रकार की देरी का सामना न करना पड़े।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि बुनियादी लोक सेवाओं तथा जन सुविधाओं की नियमित एवं निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना विभागीय अधिकारियों का सर्वोपरि दायित्व है, जिसे उन्हे पूरी संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करना चाहिए ताकि सुशासन के संकल्पों को साकार किया जा सकें। आमजन की समस्याओं को तसल्ली से सुनते हुए उन्होंने विश्वास दिलाया कि समस्याओं का यथोचित समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

अखिलेश यादव ने भाई-भतीजावाद को लेकर भाजपा पर निशाना साधा

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में धार्मिक आधारभूत ढांचा परियोजनाओं और भूमि अधिग्रहण के मामलों में भाजपा सरकार पर भाई-भतीजावाद का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में आने पर संतुलित विकास का उदाहरण पेश करेगी। यहां संवाददाता सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री ने पूछा कि इस सरकार ने कांवड़ियों को आश्रय स्थलों, स्वास्थ्य सुविधाओं और भोजन उपलब्ध कराने में पिछले कुछ वर्षों में क्या किया? केंद्र और प्रदेश सरकारों ने कांवड़िया कॉरिडोर अब तक क्यों नहीं बनाया? उन्होंने ने एक ऐसा कॉरिडोर बनाने का वादा किया जिससे यातायात में दिक्कत नहीं आएगी और स्थानीय दुकानदारों को नुकसान भी नहीं होगा। साथ ही उस स्थान की सुंदरता भी बनी रहेगी।

यादव ने कहा, हमारा काम अनुकरणीय रहा है। दुनिया ने हमारा मॉडल देखा है। मौजूदा प्रशासन के विकास के मॉडल में पारदर्शिता और समावेशिता की कमी है। नदियों में प्रदूषण के संदर्भ में उन्होंने सीवेज शोधन संयंत्रों के बंद होने का आरोप लगाते हुए कहा, यह बहुत चुपके से किया जा रहा है ताकि कोई रिकॉर्ड उपलब्ध ना रहे और किसी को भी जवाबदेह ना ठहराया जा सके।

सोशल मीडिया 'इन्फ्लुएंसर' मनीष कश्यप प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी में शामिल

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हाल में अलविदा कहने वाले बिहार के सोशल मीडिया 'इन्फ्लुएंसर' मनीष कश्यप ने सोमवार को प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी का दामन थाम लिया। वह यहां किशोर की मौजूदगी में अपने समर्थकों के साथ जन सुराज पार्टी में शामिल हुए।

कश्यप के यूट्यूब अकाउंट पर लगभग एक करोड़ सब्सक्राइबर हैं। वह कुछ साल पहले पहली बार तब सुर्खियों में आए थे, जब उन्हें तमिलनाडु पुलिस ने दक्षिणी राज्य में बिहारी प्रवासियों के साथ दुर्व्यवहार के कथित फर्जी वीडियो पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले वह भाजपा में शामिल हुए थे, लेकिन टिकट नहीं दिया गया। कश्यप ने जून में एक वीडियो संदेश में भाजपा से अपने इस्तीफे की घोषणा की थी और आरोप लगाया था कि भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनावों तक उनका इस्तेमाल किया और उसके बाद उन्हें मझधार में छोड़ दिया।

सरकार की नीतियों ने युवाओं को हताशा के गर्त में धकेला : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को बेरोजगारी के विषय को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पिछले 11 वर्षों में सरकार की नीतियों ने देश के युवाओं को सिर्फ और सिर्फ हताशा के गर्त में धकेला है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र के सांख्यिकी विभाग की एक सर्वेक्षण रिपोर्ट का हवाला देकर यह दावा भी किया कि सप्ताह में एक घंटे के काम को भी रोजगार मानने वाली सरकार में उसके पैमाने के अनुसार केवल 51.7 फीसदी लोगों को ही काम मिला है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''बेरोजगारी कम करने के लिए मोदी सरकार का नया तरीका। अगर आप हफ्ते में सिर्फ एक घंटे भी काम करते हैं, तो सरकार आपको कामकाजी मान सकती है! मोदी सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय ने अपनी हालिया सर्वेक्षण रिपोर्ट इसी पैमाने पर तैयार की है।'' उन्होंने दावा किया कि सरकार के लिए सबसे शर्मनाक बात यह है कि बेरोजगारी की परिभाषा को इतना ढीला करने के बावजूद केवल 51.7 फीसदी लोगों को ही काम मिला।

भारत, म्यांमार के बीच कलादान परियोजना 2027 तक शुरू हो जाएगी : सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने सोमवार को कहा कि भारत और म्यांमार के बीच महत्वाकांक्षी कलादान परियोजना 2027 तक शुरू हो जाएगी।

इस परियोजना का उद्देश्य देश के बाकी हिस्सों से पूर्वोत्तर की दूरी को कम करना है।

सोनोवाल ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि परियोजना के पूरा हो जाने के बाद आइजोल और कोलकाता के बीच की दूरी 700 किलोमीटर कम हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''(म्यांमार में) सितवे बंदरगाह तैयार है। अब आइजोल तक सड़क बनाने का काम जारी है। पूरी कलादान मल्टी-मॉडल पारगमन परिवहन परियोजना 2027 तक शुरू हो जाएगी।'' पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सोनोवाल ने बताया कि उनका मंत्रालय परियोजना के लिए जलमार्ग विकसित करने में 1,000 करोड़ रुपए का निवेश कर रहा है, जबकि अन्य एजेंसी बाकी का काम संभाल रही हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत की आर्थिक समृद्धि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सोनोवाल ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि परिवहन के माध्यम से परिवर्तन किया जाना चाहिए। हम उनके निर्देश के अनुसार पूर्वोत्तर को दक्षिण एशिया के व्यापार केंद्र के रूप में विकसित करना चाहते हैं। इसमें जलमार्ग महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।''

कलादान परियोजना का उद्देश्य भारत के पूर्वी बंदरगाहों से म्यांमार तक तथा दक्षिण-पूर्व एशियाई देश के माध्यम से पूर्वोत्तर तक माल की ढुलाई के लिए परिवहन का एक बहु-मॉडल माध्यम तैयार करना है।

सोनोवाल ने कहा कि विदेश मंत्रालय परियोजना के लिए नोडल एजेंसी हैं, जिसे भारत और म्यांमार के बीच मैत्री परियोजना के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''सितवे बंदरगाह का उद्घाटन 2023 में किया गया था और मुझे कोलकाता से 2,000 मीट्रिक टन का मालवाहक जहाज मिला, जो बंदरगाह की पूर्ण परिचालन क्षमता को दर्शाता है। जब पूरी परियोजना चालू हो जाएगी तो आइजोल और कोलकाता के बीच 1,800 किलोमीटर की सड़क दूरी 700 किलोमीटर कम हो जाएगी।''

भाजपा लोगों और कांग्रेस नेताओं को डराने की कोशिश कर रही है : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर चुनाव पूर्व किए गए अपने वादों से मुकरने का आरोप लगाया और लोगों से अपने 'जल, जंगल और जमीन' की रक्षा की लड़ाई में एकजुट रहने को कहा। खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा देश में हर किसी को डराने की कोशिश कर रही है और अपने विरोधियों के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

भारी बारिश के बीच रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में 'जय जवान-जय किसान-जय संविधान' नामक एक सभा को संबोधित करते हुए, राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया कि मोदी सरकार गरीबों को लूट रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए खरगे ने कहा कि उनके पास देश-विदेश का दौरा करने का समय है, लेकिन मणिपुर जाने का वक्त नहीं है, जहां मई 2023 से जातीय संघर्ष चल रहा है। उन्होंने कहा, ''जब राज्य में पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान फरवरी, 2023 में हमारी पार्टी का 85वां पूर्ण अधिवेशन आयोजित किया गया था, तब हमारे कार्यक्रम को खराब करने के लिए मोदी जी और शाह के इशारे पर हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं के परिसरों पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) और आईटी (आयकर) ने छापे मारे थे।''

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''उन्होंने हमारे तत्कालीन मुख्यमंत्री और अन्य नेताओं को धमकाने की कोशिश की, लेकिन छत्तीसगढ़ के लोग डरे नहीं और मुंहतोड़ जवाब दिया तथा एक पूर्ण अधिवेशन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा अब भी ईडी और आईटी जैसी केंद्रीय एजेंसियों का उपयोग करके हमारे नेताओं को डराने की कोशिश कर रही है, लेकिन हम कभी नहीं डरेंगे। छत्तीसगढ़ में हमारी पार्टी के नेताओं को (जांच एजेंसियों का उपयोग करके) परेशान किया जा रहा है जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री (भूपेश बघेल) भी शामिल हैं।

खरगे ने कहा, ''उन्होंने (भाजपा) नेशनल हेराल्ड मामले में (कांग्रेस नेताओं) सोनिया गांधी और राहुल जी को भी फंसाने की कोशिश की। वे हमेशा कांग्रेस को बदनाम करने की कोशिश करते हैं। हर किसी को डराना उनकी आदत है। आप तभी बच पाएंगे जब आप डरेंगे नहीं।

कांग्रेस ने नेता ने कहा, अगर हमें अपने जल, जंगल, जमीन की रक्षा करनी है तो आप सभी को उनके (भाजपा) खिलाफ लड़ाई में एकजुट होना होगा।''

पंचगव्य से 19 बीमारियों के उपचार को बढ़ावा देगी उप्र सरकार

लखनऊ/भाषा। पारंपरिक औषधियों को बढ़ावा देने और रोजगार सृजन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार आयुर्वेदिक उत्पादों के उत्पादन में पंचगव्य का उपयोग करने की पहल शुरू कर रही है।

पंचगव्य गाय के पांच उत्पादों अर्थात् दूध, दही, घी, मूत्र और गोबर से बना एक जैविक मिश्रण है। सरकार द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, पंचगव्य के आधार पर बड़े पैमाने पर उत्पाद बनाए जाएंगे जिससे ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा और गोशालाओं की उपयोगिता भी पहले से अधिक बढ़ जाएगी। इस योजना के तहत, गोमूत्र आधारित औषधियों का उपयोग मधुमेह, हृदय रोग, गठिया, त्वचा रोग, अस्थमा, साइनसाइटिस और एनीमिया सहित 19 रोगों के उपचार में किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के ओएसडी डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि आयुष विभाग के सहयोग से पंचगव्य आधारित उत्पादों के निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार की योजना है कि पंचगव्य से बनने वाले उत्पादों को आधुनिक अनुसंधान से जोड़कर प्रमाणिक बनाया जाए।

बिहार की कानून-व्यवस्था पर मायावती ने सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बिहार में उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या को लेकर राज्य की जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की सोमवार को आलोचना की और वहां की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। मायावती ने कहा कि निर्वाचन आयोग से अपील है कि बिहार चुनाव सरकारी तंत्र के दुरुपयोग, बाहूबल, धनबल व अपराध बल आदि से मुक्त कराने के लिए समय रहते उचित सख्त कदम उठाए जाएं।

बसपा प्रमुख ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''वैसे तो बिहार में खासतौर पर दलितों, अति-पिछड़ों, शोषितों, गरीबों और उनकी महिलाओं आदि के विरुद्ध जुल्म-ज्यादती, हत्या एवं जातिवादी शोषण तथा इन वर्गों के लोगों को उनके हक से वंचित रखने के मामले हमेशा काफी चर्चा का विषय रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन राज्य में विधानसभा आमचुनाव से पहले हिसंक वारदातों व हत्याओं के जारी रहने के क्रम में शासित दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ही एक प्रमुख उद्योगपति व नेता खेमका की राजधानी पटना में हाल में हुई सनसनीखेज हत्या ने राज्य में कानून-व्यवस्था की बदहाल स्थिति के साथ-साथ प्रदेश की राजनीति को भी नये तरीके से गर्मा दिया है।'' उन्होंने कहा, ''इस खून-खराबे के संबंध में चुनाव आयोग अगर अभी से ही संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करे तो यह शान्तिपूर्ण चुनाव संचालन हेतु बेहतर होगा।''

मायावती ने कहा, ''बिहार में चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के दौरान यह सब हिंसक घटनाक्रम किसके द्वारा किसके स्वार्थ की पूर्ति के लिए किया जा रहा है, इसको लेकर न केवल राज्य की गठबंधन सरकार कठघरे में है, बल्कि राजनीति काफी गर्म है कि आगे चलकर राज्य के राजनीतिक समीकरण व चुनाव पर इसका क्या असर पड़ेगा, यह देखने वाली बात है।''

बिहार के पूर्णिया में जादू-टोना करने के संदेह में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या, शव जलाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पूर्णिया (बिहार)/भाषा। बिहार के पूर्णिया जिले में जादू-टोना करने के संदेह में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की कथित तौर पर हत्या कर दी गई और उनके शवों को जला दिया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस मृतकों की पहचान की कोशिश कर रही है।

पूर्णिया के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) प्रमोद कुमार मंडल ने 'पीटीआई भाषा' को बताया, शुरुआती जांच से पता चलता है कि टेटमा गांव में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की पहले जादू-टोना करने के शक में हत्या की गई। ऐसा लगता है कि आरोपियों ने फिर उनके शवों को झाड़ियों में जला दिया। घटना रविवार रात की है। पुलिस ने शव बरामद कर लिए हैं और मामले की जांच कर रही है।

'बिहार चुनाव तक विशेष गहन पुनरीक्षण पर रोक लगाई जाए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने निर्वाचन आयोग से सोमवार को आग्रह किया कि बिहार में विधानसभा चुनाव होने तक मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य पर रोक लगाई जानी चाहिए। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सहयोगियों की उपस्थिति में यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह मांग की।

पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने दावा किया, ''इस कवायद को चुनावों तक रोक देना चाहिए। निर्वाचन आयोग को बूथ स्तर के अपने अधिकारियों से बात करनी चाहिए, जिन्हें डेटा एकत्र करते समय मतदाताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है।'' उन्होंने कहा कि आधार कार्ड और मनरेगा जॉब कार्ड, जो अधिकतर लोगों के पास उपलब्ध हैं, को स्वीकार्य पहचान प्रमाण की सूची से बाहर रखे जाने से लोगों को काफी असुविधा हो रही है। यादव ने कहा, ''यह हैरान करने वाली बात है कि आधार कार्ड, जो बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद बनाए जाते हैं और जिन्हें निर्वाचन आयोग संबंधित मतदाता पहचान पत्रों से जोड़ने का इरादा रखता है, उन्हें स्वीकार नहीं किया जा रहा है।'' उन्होंने निर्वाचन आयोग से इस प्रक्रिया के अंतर्गत आने वाले मतदाताओं का विधानसभा क्षेत्रवार ब्योरा दैनिक आधार पर जारी करने को कहा।

खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने बास्केटबॉल लीग का उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने यहां एबीसी प्रो बास्केटबॉल लीग के चौथे सत्र का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह आयोजन सरकार की खेलो इंडिया पहल के साथ 'पूरी तरह से मेल खाता है'।

आयोजकों के अनुसार लीग में पूरे महाराष्ट्र से 5,000 से अधिक युवा खिलाड़ियों ने ट्रायल्स में भाग लिया। ट्रायल्स में कड़ी चयन प्रक्रिया के बाद नीलामी के लिए लगभग 1000 खिलाड़ियों को चयनित किया गया।

इसमें से लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए अंडर -14 और अंडर -17 वर्ग में लीग की 19 टीमों में शामिल होने के लिए 310 खिलाड़ियों का चयन हुआ।

खडसे ने रविवार शाम को उद्घाटन के बाद कहा, '' इस तरह के जमीनी स्तर के खेलों में निवेश करना काफी जरूरी है। हर एक पॉइंट, हर रणनीतिक पास एक स्वस्थ, प्रतिस्पर्धी, और एकजुट भारत के निर्माण की दिशा में एक कदम है। यह आपको प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी के हर प्रतिभा को सही मंच देने के विकसित राष्ट्र के दृष्टिकोण के करीब ले जाएगा।''

प्रौद्योगिकी से सशक्त, उद्देश्य से प्रेरितः महिला सशक्तीकरण पर बोली अन्नपूर्णा देवी

रांची/भाषा। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि स्मार्टफोन से लेकर विशेष ऐप तक और आंगनवाड़ी केंद्रों से लेकर संसद तक, डिजिटल प्रणालियां देश में महिला एवं बाल कल्याण के परिदृश्य को तेजी से बदल रही हैं, जिससे सेवा वितरण तेज, अधिक पारदर्शी और सुलभ हो रहा है।

देवी ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में अपने 28 साल के राजनीतिक सफर पर प्रकाश डाला। उन्होंने तीन छोटे बच्चों की परवरिश की जिम्मेदारी संभाल रही एक युवा गृहिणी से लेकर वैश्विक मंचों पर महिला अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाली केंद्रीय मंत्री बनने की कहानी बयां की। देवी ने उन महत्वपूर्ण प्रगतियों को भी रेखांकित किया, जो भारतीय महिलाओं ने पिछले कुछ वर्षों में हासिल की हैं। देवी ने कहा, पहले सब कुछ हाथों से किया जाता था, जो बहुत कठिन था। लेकिन अब पोषण ट्रैकर ऐप जैसे उपकरणों के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लाभार्थियों का विवरण तुरंत दर्ज कर सकती हैं, दोहराव से बच सकती हैं और जवाबदेही सुनिश्चित कर सकती हैं। हमने उनके काम को आसान बनाने और गड़बड़ियां रोकने के लिए उन्हें स्मार्टफोन प्रदान किए हैं। पोषण ऐप को हाल ही में सिविल सेवा दिवस पर राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दी गई थी।

असम में तीन जगह बाढ़ की गंभीर स्थिति, देश में 19 जगह नदियां चेतावनी के निशान से ऊपरः सीडब्ल्यूसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। असम में नदियां उफान पर हैं जिसके कारण तीन जगह बाढ़ की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है, जबकि देशभर में कुल 19 स्थानों पर नदियों का पानी चेतावनी स्तर को पार कर गया है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) द्वारा सोमवार को जारी दैनिक बाढ़ संबंधी बुलेटिन से यह जानकारी मिली। असम में जिन तीन जगहों पर बाढ़ की गंभीर स्थिति उत्पन्न हुई है उनमें गोलाघाट और नुमालीगढ़ (जहां से धनसिरी (दक्षिण) नदी गुजरती है) और शिवसागर (जहां दिखो नदी गुजरती है) शामिल हैं। कुल मिलाकर असम में सात नदियों का जल स्तर कई स्थानों पर चेतावनी के निशान को पार कर गया है।

उत्तर प्रदेश में चार जगह, बिहार और ओडिशा में दो-दो जगह और मध्य प्रदेश में एक जगह नदी का जल स्तर सामान्य से ऊपर बाढ़ की स्थिति में पहुंच गया है। बुलेटिन के अनुसार, कुल 19 जगह नदियों का जल स्तर चेतावनी के निशान से ऊपर है।

उत्तर प्रदेश में घाघरा नदी एल्गिन पुल और अयोध्या में चेतावनी के निशान को पार कर गई है, जबकि फर्रुखाबाद और बदायूं में गंगा नदी का जल चेतावनी स्तर को पार कर गया है।

बिहार में बूढ़ी गंडक और कोसी नदियों का जलस्तर भी बढ़ने की सूचना है। अगले कुछ दिनों में पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है, जिससे बाढ़ की स्थिति और खराब हो सकती है।

बहुजन छात्रों की शिक्षा का खुला विरोध कर रही है भाजपा : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को एक खबर का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बहुजन छात्रों की शिक्षा का खुला विरोध कर रही है।

उन्होंने एक अखबार की खबर का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया है कि राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति में चयनित 106 में से 66 वंचित छात्रों को विदेश में पढ़ने की छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई, क्योंकि सरकार के पास फंड नहीं है। राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति के तहत अनुसूचित जातियों, विमुक्त घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजातियों, भूमिहीन कृषि मजदूरों और पारंपरिक कारीगरों जैसे हाशिए पर मौजूद समुदायों के कम आय वाले छात्रों को विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की तरफ से फिलहाल इस मामले पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''जब कोई दलित, पिछड़ा या आदिवासी छात्र पढ़ना चाहता है, तभी मोदी सरकार को बजट याद आता है। राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति में चयनित 106 में से 66 वंचित छात्रों को सिर्फ इसलिए विदेश में पढ़ने की छात्रवृत्ति नहीं दी गई, क्योंकि सरकार के पास फंड नहीं है। लेकिन मोदी जी की विदेश यात्राओं, प्रचार और 'इवेंटबाजी' पर हजारों करोड़ रुपए बेहिचक खर्च किए जाते हैं।'' उन्होंने दावा किया कि भाजपा और आरएसएस के नेताओं के बच्चों के कहीं पढ़ने पर कोई अड़चन नहीं है, लेकिन जैसे ही कोई बहुजन छात्र आगे बढ़ता है, पूरा सिस्टम अड़ंगा लगाने लगता है। कांग्रेस नेता ने कहा, ''कहीं सरकारी स्कूलों को कम कर देना, कहीं बेवजह 'कोई पात्र नहीं मिला' (नॉट फाउंड सुटेबल) कह कर अवसर के दरवाज़े बंद कर देना, तो कहीं मेहनत से हासिल छात्रवृत्ति छीन लेना, ये सिर्फ़ अन्याय नहीं, भाजपा का खुला बहुजन शिक्षा विरोध है।'' राहुल गांधी ने कहा कि यही मनुवादी सोच आज फिर से 'एकलव्य का अंगूठा' मांग रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, ''मोदी सरकार को यह अमानवीय फ़ैसला तुरंत पलटना होगा और इन 66 छात्रों को विदेश भेजना ही होगा। हम बहुजनों से शिक्षा का यह मौलिक अधिकार छीनने नहीं देंगे।''

इंग्लैंड को गिल का जवाब ढूंढना होगा : मार्क बुचर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। शुभमन गिल के तकनीकी रूप से मजबूत खेल और शांत स्वभाव ने इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज मार्क बुचर पर काफी प्रभाव डाला है जिनका मानना है कि भारतीय टेस्ट कप्तान ने 'काफी समीक्षा' के बावजूद विराट कोहली के चौथे नंबर के स्थान को आसानी से अपने नाम कर लिया है। भारत-इंग्लैंड के बीच चल रही टेस्ट शृंखला में कमेंट्री कर रहे बुचर मेहमान टीम के बल्लेबाजों विशेषकर गिल, लोकेश राहुल और यशस्वी जायसवाल से काफी प्रभावित हैं। ये तीनों ही बल्लेबाज 10 जुलाई से लार्ड्स में शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट से पहले शतक जड़ चुके हैं।

गिल के शानदार प्रदर्शन में तीन शतक शामिल हैं और उन्होंने सिर्फ दो टेस्ट मैच में अपने बल्लेबाजी औसत को लगभग 35 से 42 से अधिक तक पहुंचा दिया है। बुचर ने पीटीआई से कहा कि कप्तान के तौर पर अपनी पहली शृंखला में गिल ने जो किया है वह बेहद खास है। बुचर ने कहा, ''विश्व खेलों में ऐसे ज्यादा काम नहीं हैं जिनमें भारतीय क्रिकेट कप्तान होने जितना दबाव और समीक्षा होती है, सही है ना? यह तो बताने की जरूरत नहीं कि आप कोहली की जगह भर रहे हैं या तेंदुलकर की जगह (दोनों ने चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की)।'' इंग्लैंड के लिए 1997 से 2004 के बीच 71 टेस्ट मैच खेलने वाले इस 52 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी ने कहा, ''इसमें काफी अधिक दबाव हैं। और अब तक उन्होंने इसे काफी आसानी से अपनाया है। वह बेहद की सहज और धैर्यवान नजर आता है।'' शृंखला से पहले गिल के रवैये और तकनीक पर कुछ सवाल थे लेकिन इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने चार पारियों में 585 रन बनाकर इस बहस को निकट भविष्य के लिए बंद कर दिया है। बुचर ने कहा, ''और तकनीकी रूप से उन्होंने बहुत ही खूबसूरती से खेला है। इसलिए शृंखला की शानदार शुरुआत हुई है। मेरा मतलब है कि हो सकता है कि इस शृंखला के अंत तक उनके पास कुछ रिकॉर्ड हों। उन्होंने पहले ही काफी रन बना लिए हैं। तो उनके पास क्या है? शृंखला में पहले ही 600 रन बना चुके हैं। यह एक अविश्वसनीय शुरुआत रही है।'' उन्होंने भारत के कमजोर निचले क्रम का जिक्र करते हुए कहा, ''और इंग्लैंड को मध्य क्रम में उनका तोड़ ढूंढना होगा क्योंकि जब आप शुरुआती तीन या चार बल्लेबाजों को आउट कर देते है तो निचले क्रम को समेटना थोड़ा आसान हो जाता है।'' बुचर राहुल से काफी प्रभावित हैं जिन्होंने पिछले 24 महीनों में बल्लेबाजी क्रम में ऊपर और नीचे दोनों जगह अच्छा प्रदर्शन किया है।

सुविचार

मोहन की मुरली में बसा राधा का हँसता साज, प्रेम के सुरों में सजे जीवन का अनोखा अंदाज।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बिलावल का बयानः सौदेबाजी या सैन्य दबाव?

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कुछ खूंखार आतंकवादियों का भारत को प्रत्यर्पण करने के संबंध में जो बयान दिया है, उससे किसी को भ्रमित नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह बात कहते हुए लगभग उन्हीं शब्दों को दोहराया है, जो पाकिस्तानी फौज और सरकार दोहराती रही हैं। बिलावल का यह कहना कि 'जांच के दायरे में आए व्यक्तियों को भारत को प्रत्यर्पित करने में कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते नई दिल्ली इस प्रक्रिया में सहयोग करने की इच्छा दिखाए', का सीधा मतलब यही है कि आतंकवादियों के खिलाफ सबूत जुटाकर पहले की तरह ही 'चिट्ठी-पत्री का खेल' खेला जाए। अब यह नहीं हो सकता। भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का आगाज कर अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। अब भारत पाकिस्तानी आतंकवादियों की करतूतों की शिकायत नहीं करेगा, बल्कि उनके ठिकानों को ही मिसाइलों से उड़ा देगा। हमारे सशस्त्र बलों ने पीओके से लेकर पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को जिस तरह निशाना बनाया, उससे इस पड़ोसी देश में डर का माहौल है। भारत सरकार ने सिंधु जल संधि को स्थगित कर इस्लामाबाद को जोरदार झटका दिया है। इससे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पाकिस्तानी नेता और सैन्य अधिकारी भले ही आतंकवाद को बढ़ावा देते हों, लेकिन बात जब उनके फायदे की आती है तो वे 'सौदा' करने से भी गुरेज़ नहीं करते। पाकिस्तान के कई पत्रकार और विश्लेषक यह खुलासा कर चुके हैं कि ओसामा-बिन लादेन का पता लगाने और उसका खात्मा कराने के लिए उनके मुल्क के कई नेताओं, सैन्य अधिकारियों और चिकित्सा कर्मियों ने अमेरिका से डॉलर वसूले थे।

अगर सिंधु जल संधि स्थगित होने के कारण पाकिस्तान में अफरा-तफरी का माहौल बनता है तो इस्लामाबाद खुद को पाक-साफ दिखाने के लिए कुछ आतंकवादियों को खुद ही ढेर कर सकता है। वह इस तरह ऐसी दलील देने के लिए आधार तैयार कर सकता है कि भारत जिन आतंकवादियों का जिक्र कर उस पर हमला बोलता है, अब वे खत्म हो चुके हैं, लिहाजा सिंधु जल संधि को बहाल कर देना चाहिए। उक्त बयान के लिए बिलावल की आलोचना हो रही है, लेकिन यह भी चर्चा है कि वे पाकिस्तानी फौज के इशारे पर ऐसा कह रहे हैं। उनके जरिए रावलपिंडी एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाना चाहती है, जिसे वह 'उदार' दिखा सके। साथ ही, राष्ट्रीय राजनीति में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान ख़ान का कद घटा सके। पाकिस्तान में पंजाब से लेकर सिंध तक इस बात की चर्चा है कि सिंधु जल संधि स्थगित होने से खेती चौपट हो सकती है। इससे पाक में आटा, दाल, सब्जियों आदि की भारी किल्लत हो सकती है, जिसके नतीजे में जनता विद्रोह कर सकती है। याद करें, इस साल मई में सिंध में प्रदर्शनकारियों ने गृह मंत्री जियाउल हसन लंजार का घर ही फूंक दिया था। पाकिस्तान में समस्या सिर्फ पानी की कमी से जुड़ी हुई नहीं है। हाल के वर्षों में जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़ ने भी हाहाकार मचा दिया था। खासकर जुलाई के आखिरी हफ्ते से लेकर पूरे अगस्त माह में बाढ़ का खतरा मंडराता रहता है। पाकिस्तान में बहुत लोग चिंतित हैं कि अगर अगस्त में बाढ़ आ गई और उधर से भारत ने भी बहुत बड़ी मात्रा में पानी छोड़ दिया तो कई इलाके जलमग्न हो जाएंगे। इस तरह आतंकवादियों की करतूतों का खामियाजा करोड़ों नागरिक भुगतेंगे। बिलावल भुट्टो जरदारी भारत के इस 'जल अस्त्र' से पाकिस्तान को बचाने के लिए अभी से तैयारी करने लगे हैं। भारत सरकार को अपने रुख पर दृढ़ रहना चाहिए। आतंकवाद के संपूर्ण खात्मे से कम कुछ भी स्वीकार नहीं करना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

भाजपा के सत्ता में आने के बाद बच्चियों से दरिंदगी के मामलों में रिकॉर्ड इजाफा हुआ है। इस साल अब तक 731 नाबालिग बच्चियों से दरिंदगी हो चुकी है जो 2023 की तुलना में 11% अधिक है। पॉक्सो एक्ट के मामलों में भी रिकॉर्ड 62% की वृद्धि हुई है जो प्रदेश को शर्मसार कर रही है।

-गोविंद सिंह डोटासरा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की गरिमामय उपस्थिति में कोटा के सांगोद में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा' एवं 'सुपोषित माँ अभियान' के अंतर्गत जनसभा को संबोधित कर प्रदेश के विकास को समर्पित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ किया।

-भजनलाल शर्मा

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता और राजा मनकापुर स्टेट के अभिभावक श्री आनंद सिंह जी का देहावसान अत्यंत दुखद है। जनसेवा में उनके योगदान अविस्मरणीय हैं। वे अपने पीछे सदकर्मों की विरासत छोड़ गए हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

नि:स्वार्थ भक्ति

एक भक्त रोज़ बिहारी जी के मंदिर जाता तो वहां उसे एक ज्योति दिखाई देती थी। सभी भक्त कहते, 'आज बिहारी जी का शृंगार कितना अच्छा है!' भक्त सोचता, 'बिहारी जी सबको दर्शन देते हैं, मुझे क्यों एक ज्योति दिखाई देती है?' एक दिन बिहारी जी से भक्त बोला, 'क्या बात है कि आप सबको तो दर्शन देते हैं, पर मुझे दिखाई नहीं देते? अगर कल मुझे आपने दर्शन नहीं दिए, तो मैं यमुना जी में डूबकर मर जाऊंगा।' उसी रात में बिहारी जी एक कोढ़ी के सपने में आए और बोले, 'तुम्हें अपना कोढ़ ठीक करना है तो सुबह मंदिर के रास्ते से एक भक्त निकलेगा। तुम उसके चरण पकड़ लेना और तब तक मत छोड़ना, जब तक वह यह न कह दे कि बिहारी जी तुम्हारा कोढ़ ठीक करें।' अगले दिन जैसे ही वह भक्त निकला, कोढ़ी ने चरण पकड़ लिए और बोला, 'जब तक आप यह नहीं कह देते कि बिहारी जी तुम्हारा कोढ़ ठीक करें, तब तक मैं आपके चरण नहीं छोड़ूंगा।' भक्त, वैसे ही चिंता में था वह झुंझलाकर बोला, 'जाओ, बिहारी जी तुम्हारा कोढ़ ठीक करें।' इतना कहकर वह भक्त मंदिर चला गया। मंदिर में उसे बिहारी जी के दर्शन हो गए। भक्त बड़ा खुश हुआ और बिहारी जी से पूछने लगा, 'अब तक आप मुझे दर्शन क्यों नहीं दे रहे थे?' बिहारी जी बोले, 'तुम मेरे निष्काम भक्त हो।

सामयिक

ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व संतुलित दुनिया का आधार

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ कायरतापूर्ण' आतंकवादी हमला 'भारत की आत्मा, पहचान और गरिमा' पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका- ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है। ब्रिक्स एक ऐसा बहुपक्षीय मंच है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग, वैश्विक विकास और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बल देता है। ब्रिक्स समिट काफी सफल एवं निर्णायक रहा है।

ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये। ब्रिक्स देशों के इस सम्मेलन में एक विशेष बिंदु जो उभरकर सामने आया वह था-अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का बदलता स्वरूप और इसके कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में प्रभाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट रूप से यह रेखांकित किया कि आतंकवाद अब किसी एक राष्ट्र की समस्या नहीं रह गई है,

हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है।

बल्कि यह एक वैश्विक संकट बन चुका है। उन्होंने कश्मीर में हो रहे आतंकवादी हमलों, पाकिस्तान समर्थित गतिविधियों और भारत की सीमाओं पर हो रही हिंसक घटनाओं को उदाहरण के रूप में सामने रखा। मोदी ने ब्रिक्स मंच से यह भी स्पष्ट किया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब आतंक का राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल होता है, तो वह मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन जाता है।

भारत ने लंबे समय से कॉम्प्रेहेंसिव कॉन्वेंशन ऑन इन्टरनेशनल टेरिजम्स (सीसीआईटी) की पैरवी की है। इस बार ब्रिक्स मंच पर मोदी ने इस प्रस्ताव को फिर से प्रमुखता से उठाया और एक साझा परिभाषा व वैश्विक नीति की मांग की ताकि आतंकवादियों को सुरक्षा और राजनीतिक सहारा न मिल सके। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी सुझाव दिया कि ब्रिक्स को एक साझा आतंकवाद निरोधी तंत्र बनाना चाहिए, जो सूचनाओं का आदान-प्रदान, निगरानी तंत्र और आतंक के वित्तपोषण को रोकने में सहयोग करे। भारत ने इस बार पाकिस्तान का नाम लिए बिना यह सिद्ध किया कि कश्मीर में आतंकवाद एक स्थानीय असंतोष नहीं, बल्कि बाहरी प्रायोजित आतंक है। ब्रिक्स देशों, विशेषकर रूस और ब्राज़ील ने इस बात को स्वीकारा कि कश्मीर में फैले आतंकवाद पर चिंता जायज़ है और उन्होंने भारत के दृष्टिकोण का समर्थन किया। यह कूटनीतिक जीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व कौशल को रेखांकित करती है। उन्होंने न केवल भारत के राष्ट्रीय हितों की रक्षा की, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के विरुद्ध एक नैतिक और व्यावहारिक आधार भी प्रस्तुत किया।

भारत 2026 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करने जा रहा है। यह भारत के लिए भविष्य को गढ़ने का एक सुनहरा अवसर है। भारत अब न केवल आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि ब्रिक्स एक न्यायसंगत, सुरक्षित और आतंकवादमुक्त विश्व के निर्माण की दिशा में कार्य करे। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत की भूमिका न केवल आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक स्वरूप में दिखाई दी, बल्कि यह भी स्पष्ट हुआ कि भारत अब एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र के रूप में उभर चुका है। नरेंद्र मोदी ने जिस सूझबूझ, तर्कशक्ति और साहस के साथ कश्मीर मुद्दे को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया, वह भारत की कूटनीति के नए युग की शुरुआत है। आगामी वर्ष में जब भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता करेगा, तब यह विश्वास किया जा सकता है कि न केवल भारत, बल्कि समूचा विश्व भारत की नीति, नैतिक दृष्टि और नेतृत्व क्षमता का सम्मान करेगा। इस मंच से भारत केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि मानवता, शांति और न्याय की नई इबारत लिखेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई उन्होंने कहा कि आज दुनिया को एक बहुध्रुवीय और समावेशी व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थाओं में बदलाव से करनी होगी। मोदी ने कहा, बीसवीं सदी में बनाई गई वैश्विक संस्थाएं इक्कीसवीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होती। बीसवीं सदी के टाइपराइटर इक्कीसवीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, ग्लोबल साउथ के देश अक्सर डबल स्टैंडर्ड का शिकार रहे हैं। चाहे विकास हो, संसाधनों की बात हो, या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ को कभी प्राथमिकता नहीं दी गई है। इनके बिना, वैश्विक संस्थाएं ऐसे मोबाइल की तरह हैं, जिसमें सिम कार्ड तो है लेकिन नेटवर्क नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, वैश्विक अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान ज्यादा है, उन्हें फैसले लेने का हक नहीं है। यह सिर्फ प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है।

भारत का मानना था कि समान सोच वाले देशों को साथ लेकर चला जा सकता है। आनेवाले समय में ब्रिक्स दुनिया की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करने लगेगा। निश्चित ही ब्रिक्स की ताकत से एक वैश्विक संतुलन स्थापित हो रहा है और अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के अहंकार एवं दुनिया पर शासन करने की मंशा पर पानी फिरा है।

हमारा भविष्य सितारों पर नहीं, जमीन पर निर्भर है, वह हमारा दिलों में छिपा हुआ है, दूसरे शब्दों में कहें तो हमारा कल्याण अन्तरिक्ष की उड़ानों, युद्ध, आतंक एवं शस्त्रों में नहीं, पृथ्वी पर आपसी सहयोग, शांति, सह-जीवन एवं सद्भावना में निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र इसलिये सारी दुनिया को भा रहा है। इसलिये बदलती हुई दुनिया में, बदलते हुए राजनैतिक हालात में सारे देश एक साथ जुड़ना चाहते हैं। ब्रिक्स का संगठन ऐसा सपना है जिसे भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी ने भारत के विदेश मन्त्री के तौर पर 2006 में देखा था। प्रणव दा बदलते विश्व शक्ति क्रम में उदीयमान आर्थिक शक्तियों की समुचित व जायज सहभागिता के प्रबल समर्थक थे और पुराने पड़ते राष्ट्रसंघ के आधारभूत ढांचे में रचनात्मक बदलाव भी चाहते थे। इसके साथ ही वह बहुध्रुवीय विश्व के भी जबर्दस्त पक्षधर थे जिससे विश्व का सकल विकास न्यायसंगत एवं लोकतांत्रिक तरीके से हो सके। अब नरेन्द्र मोदी ने इसमें सराहनीय भूमिका निभाई है। उनके दूरगामी एवं सूझबूझ भरे सुझावों का ब्रिक्स देशों ने लोहा माना है। ब्रिक्स संगठन में भारत का वर्चस्व चीन की तुलना में बढ़ा है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता एवं कूटनीति का परिणाम है।

नजरिया

क्रांति के पुरोधा थे आचार्य भिक्षु

साध्वी डॉ सरलयशा

इस वर्ष का सारा फोकस आचार्य भिक्षु के सूक्ष्म सिद्धांतों को गहराई से समझने और जीने का मौका देगा। सिद्धांतों को समझने में पूज्यवरों की कृतियां और उपदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जो सिद्धांतों की गहराई को समझने में सक्षम नहीं है उनके लिए उनका नाम सुमिरन 'ॐ भिक्षु' का जप नई ऊर्जा और वांछित दिशा देगा।

जीवन की पारी के हर पायदान को जिंदादिली और शान-शौकत से जीने वाले महामना आचार्य भिक्षु जिनके द्वारा जिया गया हर लम्हा सार्थक और सुकून देने वाला साबित हुआ। ''ड्रेगन ब्लडट्री'' पौधे की नाम से आचार्य भिक्षु अपने फौलादी साहस और प्राणवान दिव्य साधुता के लिए दुनियाभर में विख्यात हुए। उनके स्मरणमात्र से जिज्ञासु हृदय झनझना उठता है। आस्था के आलय में परेशानियों का हिमगिरी पिघलता नजर आता है।

धार्मिक संगठन के प्रणेता

संत भिखण एक धार्मिक संगठन के आचार्य थे। इसके बावजूद वो एक समाज सुधारक के रूप में जाने जाते है। उन्होंने सटीक शब्दों में समाज में पलने वाली कुरीतियों पर प्रहार किया। वे तेरापंथ धर्म संघ के आद्यप्रणेता कहलाए। वे जैनधर्म में अठारहवीं सदी के सर्वोच्च आध्यामिक क्रांतिकारी संत के रूप में प्रतिष्ठित हुए। धर्मगुरू होने के लिहाज से वे भगवान महावीर के कालातीत सिद्धांतों पर चलने के लिए कटिबद्ध थे। कष्टों की परवाह किए बिना वे सत्यमार्ग पर डटे रहे। अनुकूलता के चक्रव्यूह को तोड़कर सतपथ पर चलने का दृढ़ निश्चय किया। स्वात्म वचनबद्धता और जिनवाणी पर अटूट आस्था को प्राणवान रखने के लिए अपने गुरु का स्नेहिल साया छोड़ बुलंद हौसले के साथ चल पड़े अनचिन्हीं राहों पर। कवि की पंक्तियां फिर से मुखर हो उठीं- 'मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है। परों से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है।'

क्रांति का मकसद

हाल ही में घटित 'ऑपरेशन सिंदूर' की भांति संत भीखण की धार्मिक क्रांति शिथिलाचार के विरुद्ध उठाया गया एक सटीक और साहसिक कदम था। संत भीखण को एकाएक रात्रि में तपने वाले प्रचंड ताप (ज्बर) से उनके भीतर सत्यक्रांति की तरंग उठी जो लहर का रूप धारण करती हुई मचल उठीं दरिया बनने के लिए। वे संकल्पित हुए। जिनशासन की विराटता को उजागर करनेवाला उनका यह फौलादी निर्णय अमूल्य था। और समय की मांग भी कुछ ऐसी ही रही। जिसने उनके भीतर अपराजय पौरुष गर दिया। इस कदर संत भीखण की आध्यात्मिक क्रांति ने जिन शासन की गरिमा को उजालों से भर दिया।

तेरापंथ का अभ्युदय

काल्क्रम में भीखणजी ने अपने संगठन का नाम तेरापंथ धर्म संघ रखा। जिसकी आधारशिला बने मौलिक तेरह नियम और कवि के बोल सुनते ही उन्होंने वंदन मुद्रा में प्रणत होकर कहा- 'हे प्रभो। यह तेरापंथ' यह प्रभु का पंथ है। हम तो इस पर चलनेवाले पथिक है। समर्पण भाव से की गई तेरापंथ की प्रतिष्ठा उनकी निस्पृह चेतना की आवाज थी। जिसमें न पंथ का व्यामोह ना गुरु का मोह। न चेले का आकर्षण न किसी जन अपवाद की परवाह। बस एक ही धुन, एक ही लगन की 'मर पूरा देस्या, आत्मा रा कारज साररस्या।' आशय स्वरूप आत्मविशुद्धि के ग्राफ को ऊंचाइयों पर ले जाना ही उनका प्रण था। जिसके बाबत कवि की ये पंक्तियां साकार हो उठीं- 'तूफान उसे क्या रोकेंगे, जिसने चलने से प्यार किया। पतझड के ढीले हाथों से, सावन अपमानित क्या होगा? बूंदों के आंख दिखाने से, बादल अपमानित क्या होगा? सागर की तरह जो गहरा है, आकाश वर जिसका पहरा है। गर्मी की तपन, सर्दी की सितम, सहकर जिसने उपहार दिया। फौलादी संकल्प और जज्बे से आगे बढ़ें। कभी हार नहीं मानी। कई मौके ऐसें भी आए जब लोगों का सकारत्मक साथ नहीं मिला। पर निराश न बनाने वाले उनके बुलंद हौसलें ने लक्ष्य को कभी ओझल न होने दिया।' इसी गुरुमंत्र से तेरापंथ का मार्ग प्रशस्त हुआ। ढाई सौ से भी अधिक बीते काल की अवधि में संघ की गुणवत्ता एवं गरिमा कभी धूमिल नहीं हुई। तप साधना से भावित उनका संघ आज भी विकास के मार्गपर गतिशील है।

दिल को छूने वाले बोल

'तोलमोल के बोल, मन के दरवाजे खोल' उक्ति को उजागर करने वाले उनके हर बोल-मन्तव्य और सिद्धांत अध्यात्म और तर्क की कौरी पर उदगिरित हुए। उसका आशय न केवल श्रद्धालुओं के गले उतरता अपितु विरोधियों को भी आंदोलित करता। विरोधों के बीच सामंजस्य स्थापित करनेवाले उनके उपदेश हर एक दिल को छूने का माद्दा रखता था। वे समयज्ञ थे। अवसर के लिहाज उनके सटीक बोल जनमानस में प्रतिष्ठित होते गए। सिद्धांतों की बारीकी को सुगम शैली में समझाने की अनूठी कला से दिन-प्रतिदिन विरोधियों की संख्या घटती गई। साथ ही वह प्रणत होकर अनुयायी की श्रेणी में तब्दील होती गई। उनकी वाक (वचन) संपदा बेजोड़ थी। उनकी वाणी से कबीरजी के बोल कृतार्थ हो उठे 'ऐसी बाणी बोलिए, मन का आपा खोल, औरन को शीतन करें, आपहूं शीतल होय।' विरोध को विनोद में बदलने की महारत से उन्होंने हजारों दिलों को जीता।

भिक्षु चेतनावर्ष

ऋषि परंपरा के संपोषक महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी भैक्षवगण के एकादशमाधिशास्ता है। उन्होंने आचार्य भिक्षु को वैज्ञानिक युग में अपूर्व भविष्यद्रष्टा के रूप में आलोकित किया है। श्रद्धा प्रणति पूर्वक आचार्य महाश्रमणजी ने तेरापंथ संघ के आद्य प्रणेता आचार्य भिक्षु का तीन सौवां (300) जन्म शताब्दी वर्ष भिक्षु चेतना वर्ष के रूप मे मनाने की उदघोषणा की है। जिसका आगाज 8 जुलाई 2025 से होकर पूरे वर्ष भर त्याग-तप और गहन मंथन के साथ मनाया जाएगा। इस वर्ष का सारा फोकस आचार्य भिक्षु के सूक्ष्म सिद्धांतों को गहराई से समझने और जीने का मौका देगा। सिद्धांतों को समझने में पूज्यवरों की कृतियां और उपदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जो सिद्धांतों की गहराई को समझने में सक्षम नहीं है उनके लिए उनका नाम सुमिरन 'ॐ भिक्षु' का जप नई ऊर्जा और वांछित दिशा देगा। आचार्य भिक्षु के नाम में ही शक्ति है। जो हमें ऊर्जा संपन्न बनाती है, मनोरथ पूर्ण करती है। श्रद्धा से भिगा जिज्ञासु अपने सारे वांछित कार्यों को सुगमता से संपादित करने की अर्हता हासिल कर लेता है। आचार्य भिक्षु ने जैन शासन की असीम शक्ति को उजागर किया। जिज्ञासु को नई राह प्रदान की। धर्म अधर्म की रेखाओं के बीच अभेद की दीवारों को ढहाया और दिया तेरापंथ धर्म संघ के रूप में आत्मोथन का राजमार्ग।

महत्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekant Parashar, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जियो ब्लैकरॉक की शानदार एंट्री, पहले एनएफओ में 17,800 करोड़ रु. जुटाए

मुंबई/दक्षिण भारत। जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्रा. लि. ने अपने पहले ही न्यू फंड ऑफर में कुल 17,800 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश हासिल कर लिया है। कंपनी ने तीन नकद / ऋण म्यूचुअल फंड लॉन्च किए थे। इनमें जियो ब्लैकरॉक ओवरनाइट फंड, जियो ब्लैकरॉक लिक्विड फंड और जियो ब्लैकरॉक मनी मार्केट फंड शामिल थे। 90 से ज्यादा संस्थागत निवेशकों और 67,000 से ज्यादा लोगों ने ऑफर अवधि के दौरान इन फंडों में निवेश किया।

बता दें कि जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट कंपनी दरअसल जियो फाइनेंशियल सर्विसेज़ लि. और ब्लैकरॉक इंक का संयुक्त उद्यम है। 30 जून को शुरू हुआ यह न्यू फंड ऑफर 2 जुलाई को बंद हुआ। यह भारत के नकद / ऋण फंड सेगमेंट में सबसे बड़ा था, जिसने जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट को देश के 47 फंड हाउसों में से शीर्ष 15 एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में शामिल कर दिया। इस अवसर पर जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सिड स्वामीनाथन ने कहा, 'संस्थागत और खुदरा निवेशकों के बीच हमारे पहले एनएफओ को जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है। यह जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट की निवेश फिलोसॉफी, जोखिम प्रबंधन क्षमताओं और डिजिटल-फर्स्ट दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। यह भारत के विकसित हो रहे निवेश परिदृश्य में एक ताकत बनकर उभरने की दिशा में मजबूत कदम है।'

जियो ब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने खुदरा निवेशकों को आकर्षित करने के लिए एक 'अकाउंट क्रिएशन इनिशिएटिव' की भी शुरुआत की है। ऑनबोर्डिंग को सरल बनाने के लिए इस इनिशिएटिव को डिज़ाइन किया गया है। इसमें ग्राहक जियो फाइनेंस ऐप के माध्यम से मिनटों में निवेश के लिए अपना अकाउंट बना सकता है।

आईआईआईटी बेंगलूरु ने 372 छात्रों के स्नातक बनने का जश्न मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान बेंगलूरु (आईआईआईटी-बी) ने रविवार को अपना 25वां वार्षिक दीक्षांत समारोह मनाया, जिसमें पाँच शैक्षणिक कार्यक्रमों से 372 छात्रों ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की। स्नातकों में इंटीग्रेटेड मास्टर ऑफ़ टेक्नोलॉजी कार्यक्रम से 142 छात्र, मास्टर ऑफ़ टेक्नोलॉजी कार्यक्रम से 192 छात्र, मास्टर ऑफ़ साइंस इन डिजिटल सोसाइटी से 12 छात्र, मास्टर ऑफ़ साइंस बाय रिसर्च से 10 छात्र और 16 पीएचडी स्कॉलर शामिल थे।

छात्र वलीपीरेड्डी प्रणति ने एमटेक में संस्थान स्वर्ण पदक और विश्वेश्वरैया छात्रवृत्ति पुरस्कार जीता। उन्होंने कहा, बीटेक के बाद मुझे सॉफ्टवेयर जॉब के प्रस्ताव मिले, लेकिन मेरा दिल हमेशा कोर इलेक्ट्रॉनिक्स में था। मेरे प्रोफेसरों के निरंतर प्रोत्साहन, परिवार और दोस्तों के अटूट समर्थन और आगे बढ़ते रहने की इच्छा के साथ, मुझे 4.0 सीजीपी के साथ स्नातक होने पर गर्व है। बेंगलूरु की लड़की सूक्ति भट्ट काव ने एमएससी डिजिटल सोसाइटी में स्वर्ण पदक जीता। इतिहास की पृष्ठभूमि से होने के कारण, मैंने कभी इसकी कल्पना नहीं की थी। लेकिन संस्थान ने मुझे दिखाया कि तकनीक लोगों और शक्ति के बारे में भी है। मेरी थीसिस ने पता लगाया कि यूपीआई समावेश और निगरानी को कैसे प्रभावित करता है। यह जीत तकनीक में सभी सामाजिक विज्ञान आवाज़ों के लिए है। आईआईआईटी-बी के निदेशक प्रो. देबब्रत दास ने कहा, हम सभी के लिए यह जानना गर्व की बात है कि एमओएसआईपी भारत से दुनिया के लिए एक स्वदेशी आरएंडडी उत्पाद है, जो पहले से ही 27 देशों में 135 मिलियन लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। आईआईआईटी-बी में, हमें एक प्रकाश स्तंभ संस्थान के रूप में सेवा करने का सम्मान है, जो ओपन डिजिटल सिस्टम में भारत की विशेषज्ञता का समर्थन करता है। एमओएसआईपी, ओपनजी2पी, सीडीपीआई और सीओएसएस अनुसंधान, नवाचार और साहसिक विचारों को स्केलेबल समाधानों में बदलने का मार्ग प्रशस्त करते हैं जो वैश्विक स्तर पर सरकार से जनता (जी2पी) चुनौतियों का समाधान करते हैं।

भारतीय स्टेट बैंक ने पुलिसकर्मियों को रेनकोट वितरित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय स्टेट बैंक ने अपने स्थापना दिवस के प्लैटिनम जुबली समारोह के उपलक्ष्य में ट्रैफिक प्रबंधन करने वाले पुलिसकर्मियों की सुविधा के लिए कब्बन पार्क ट्रैफिक पुलिस स्टेशन को 200 रेनकोट वितरित किए। यह पहल बैंक के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत की गई है, ताकि कब्बन पार्क के आसपास के इलाकों में बरसात के मौसम में भी पुलिसकर्मी प्रभावी ढंग से काम कर सकें। बेंगलूरु मंडल की मुख्य महाप्रबंधक जूही स्मिता सिन्हा ने पुलिस निरीक्षक की मौजूदगी में ये रेनकोट ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों को सौंपे। इस अवसर पर पुलिस निरीक्षक और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। पुलिस अधिकारियों ने इस सहयोग के लिए भारतीय स्टेट बैंक को धन्यवाद दिया।

'ईएलआई योजना' के तहत पहली बार नौकरी करने वालों को सरकार देगी 15,000 रु.

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा जारी होगी राशि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (प्रथम) नवेंदु राय, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त (प्रथम) महिर कुमार एवं द्वितीय आयुक्त नवीन एमेनुएल ने सोमवार को यहां एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में सभी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, रोजगार क्षमता और सामाजिक सुरक्षा बढ़ाने के लिए केंद्र की रोजगार प्रोत्साहन योजना (एम्प्लॉयमेंट लिंक्ड इन्सेंटिव स्कीम) के बारे में जानकारी दी।

आयुक्त नवेंदु राय ने बताया कि देश में रोजगार बढ़ाने और युवाओं को काम के ज्यादा मौके देने के लिए मोदी सरकार ने एक बड़ी योजना को मंजूरी दी है। इसका नाम 'रोजगार प्रोत्साहन योजना' है। यह खासकर उन युवाओं के लिए फायदेमंद होगी, जो पहली बार नौकरी कर रहे हैं। साथ ही, कंपनियों को भी फायदा मिलेगा, अगर वे ज्यादा लोगों को रोजगार देंगी। इस योजना को हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में मंजूरी दी गई। इस योजना के तहत करीब 1.92 करोड़ युवाओं को एक महीने का वेतन सरकार अपनी ओर से देगी। इस योजना के लिए केंद्र सरकार ने लगभग 1 लाख करोड़ रु. का बजट रखा है। प्रोत्साहन योजना के तहत पहली बार नौकरी करने वाले युवाओं को केंद्र सरकार अपनी ओर से 15,000 रुपये देगी।

दो हिस्सों में बंटी योजना

उन्होंने बताया कि इस योजना के दो हिस्से हैं। पहला हिस्सा उन युवाओं के लिए है, जो पहली बार नौकरी करने जा रहे हैं। दूसरा हिस्सा कंपनियों को फायदा देने के लिए है, जो लगातार नए लोगों को रोजगार देंगी। इस योजना से विनिर्माण क्षेत्र को खासतौर पर बढ़ावा मिलेगा, ताकि देश में औद्योगिक विकास तेजी से हो सके।

पहली बार नौकरी करने वालों के लिए फायदा

इस योजना के पहले हिस्से में पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को एक महीने का वेतन (अधिकतम 15,000 रुपए) दिया जाएगा। यह रकम दो हिस्सों में दी जाएगी। पहला हिस्सा छह महीने की नौकरी पूरी करने पर और दूसरा हिस्सा बारह महीने की नौकरी के बाद मिलेगा। साथ ही, युवाओं को वित्तीय साक्षरता का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

कंपनियों को होगा नौकरी देने का फायदा

योजना के दूसरे हिस्से में कंपनियों को नए कर्मचारियों को नौकरी देने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। अगर कंपनियां 1 लाख रुपए वेतन तक के कर्मचारियों को नियुक्त करेंगी, तो उन्हें हर नए कर्मचारी के लिए 3,000 रुपए प्रति माह की सहायता मिलेगी। यह सुविधा दो साल तक दी जाएगी। खास बात यह है कि विनिर्माण क्षेत्र को यह लाभ तीसरे और चौथे साल तक भी मिलेगा। अगर किसी कंपनी में 50 से कम कर्मचारी हैं, तो उसे कम से कम दो नए कर्मचारियों को नियुक्त करना होगा। वहीं, अगर किसी कंपनी में 50 या उससे ज्यादा कर्मचारी हैं, तो उसे कम से कम पांच नए लोगों को नौकरी देनी होगी। साथ ही, कर्मचारियों को लगातार छह महीने तक काम करना जरूरी होगा, तभी कंपनी को यह लाभ मिलेगा।

सीधे बैंक खाते में मिलेगा पैसा

इस योजना में पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को मिलने वाली राशि सीधे उनके बैंक खाते में ईपीएफओ द्वारा भेजी जाएगी। इसके लिए आधार से जुड़े डीबीटी का इस्तेमाल किया जाएगा। वहीं, कंपनियों को मिलने वाली सहायता राशि उनके पैन लिंक्ड बैंक खाते में दी जाएगी, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी रहेगी।

आयुक्त ने कहा कि इस योजना से न सिर्फ देश में रोजगार बढ़ेगा, बल्कि वर्कफोर्स को औपचारिक रूप से संगठित करने में भी मदद मिलेगी। इसके साथ ही, लाखों युवाओं को सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिलेगा। इस योजना का मकसद सिर्फ रोजगार देना नहीं, बल्कि युवाओं को एक मजबूत भविष्य देना भी है।

चीन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को दिए गए सहयोग संबंधी सवाल को नहीं दी तवज्जो

बीजिंग/भाषा। चीन ने सोमवार को भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह के इस दावे को तवज्जो नहीं दी कि बीजिंग ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को सक्रिय सैन्य सहयोग प्रदान किया और संघर्ष को विभिन्न हथियार प्रणालियों के परीक्षण के लिए एक ''लाइव लैब'' के रूप में इस्तेमाल किया। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां प्रेस वार्ता में जनरल सिंह की टिप्पणी के संबंध में पूछे गए सवाल पर कहा, आपने जिन बातों का उल्लेख किया है, मैं उनसे वाकिफ नहीं हूं। मैं सिर्फ इतना कहना चाहती हूं कि चीन और पाकिस्तान करीबी पड़ोसी हैं और उनके बीच पारंपरिक मित्रता है। रक्षा और सुरक्षा सहयोग दोनों देशों के बीच सामान्य सहयोग का हिस्सा है और यह किसी तीसरे पक्ष को निशाना नहीं बनाता है। माओ ने यह भी कहा कि भारत-चीन संबंध सुधार और विकास के महत्वपूर्ण दौर में हैं और बीजिंग नई दिल्ली के साथ द्विपक्षीय संबंधों में निरंतर वृद्धि को बढ़ावा देना चाहेगा। माओ ने उन खबरों के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देने से भी इनकार कर दिया, जिनमें कहा गया था कि चीन ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष के बाद फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन के बारे में संदेह फैलाने के लिए अपने दूतावासों को जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा, आपने जो उल्लेख किया है, मैं उससे अवगत नहीं हूं। पिछले सप्ताह दिल्ली में एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए जनरल सिंह ने कहा कि पाकिस्तान मुखौटा है, तथा चीन अपने सदाबहार मित्र को हरसंभव सहायता दे रहा है, एवं तुर्किये भी इस्लामाबाद को सैन्य साजो सामान की आपूर्ति करके एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि 7-10 मई के संघर्ष के दौरान भारत वास्तव में कम से कम तीन शत्रुओं से निपट रहा था। उन्होंने कहा कि चीन ने भारतीय सैन्य तैनाती पर नजर रखने के लिए अपने उपग्रहों का इस्तेमाल किया, क्योंकि पाकिस्तानी सेना को डीजीएमओ (सैन्य संचालन महानिदेशक) स्तर की फोन वार्ता के दौरान इसके बारे में सीधी जानकारी मिल रही थी।

राजकुमार राव ने जयपुर पर किया राज; राज मंदिर बन गया 'मालिक का राज मंदिर'

जयपुर/एजेन्सी

मालिक का राज पूरे देश में जारी है। लखनऊ में धमाकेदार टाइटल ट्रैक लॉन्च के बाद, अब भौकाल मचाने मालिक की टीम जयपुर पहुँची, जहाँ उन्होंने फैन्स को दीवाना कर दिया और प्रतिष्ठित राज मंदिर थिएटर को फिल्म की रिलीज़ तक के लिए 'मालिक का राज मंदिर' में बदल दिया। राजकुमार राव, मानुषी छिल्लर और निर्देशक पुलकित पूरी 'मालिक' स्वैग के साथ पिंक सिटी पहुँचे, फैन्स से मिले और इस साल की सबसे रोमांचक एक्शन ड्रामा फिल्मों में से एक का माहौल बना दिया।

मालिक 1980 के दशक के इलाहाबाद पर आधारित एक तीव्र एक्शन एंटरटेनर है। यह फिल्म महत्वाकांक्षा, ताकत और अस्तित्व की एक कड़वी कहानी पेश करेगी। यह उस दुनिया की कीमत दिखाती है, जहाँ बंदूक, लालच और वफादारी का राज चलता है। इस फिल्म का निर्देशन पुलकित ने किया है, जो अपनी हार्ड-हिटिंग थ्रिलर्स और भावनात्मक ड्रामा पेश करने के लिए जाने जाते हैं।

इसे टिप्स फिल्म्स के बैनर तले कुमार तौरानी और नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स के जय शेखरमणि ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। मालिक 11 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अभिषेक मलिक फिल्म 'जमाई नंबर 1' में काली मां के अवतार में आएंगे नजर

मुंबई/एजेन्सी

टीवी चैनल जी टीवी का मशहूर शो 'जमाई नंबर 1' अब एक जबरदस्त मोड़ लेने वाला है। इस शो में एक्टर अभिषेक मलिक 'नील' का किरदार निभा रहे हैं। आने वाले एपिसोड में नील का नया और चौंकाने वाला अवतार नजर आने वाला है। दरअसल, वह देवी काली मां का रूप धारण करते दिखेंगे, जो साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' से प्रेरित है। बता दें कि यह हिंदी टीवी पर पहली बार होगा जब एक पुरुष कलाकार ने देवी का रूप धारण किया। शो की कहानी में रिद्धि (सिमरन कौर) का अपहरण हो जाता है। नील उसे बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार होता है। वह इसके लिए देवी काली मां का रूप भी धारण कर लेता है। इस दौरान शो में जबरदस्त एक्शन, इमोशन और दमदार सीन देखने को मिलेंगे, जो दर्शकों के लिए एक नया और शानदार अनुभव होगा।

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' से प्रेरित लुक को अपनाने के लिए अभिषेक मलिक का मेकओवर काफी मेहनत भरा रहा। इस लुक को तैयार करने के लिए हर दिन करीब दो घंटे लगते थे। इस दौरान पूरे शरीर पर खास पेंट किया जाता था। आंखों का डार्क मेकअप, भारी और सुंदर ज्वेलरी, साथ ही पारंपरिक तरीके से साड़ी पहनाई जाती थी। इस दौरान सबसे चुनौतीपूर्ण चीज थी इस भारी-भरकम कपड़ों और लुक के साथ जबरदस्त एक्शन सीन करना। इस सीन को अभिनेता ने जोश, भक्ति और ड्रामा के साथ बेहतरीन तरीके से किया। अभिषेक मलिक ने इस खास ट्रैक को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, सच कहूं तो जब मुझे पहली बार पता चला कि मैं देवी काली मां का रोल करने वाला हूं, तो मैं बहुत उत्साहित हो गया। यह लुक अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' वाले अवतार से प्रेरित है, जो बहुत दमदार, गहरा और शक्ति से भरा हुआ है। जब लुक टेस्ट हुआ, तो सभी को यह रूप बहुत पसंद आया। सेट पर हर किसी ने तारीफ की, और यहां तक कि प्रोड्यूसर ने फोन करके कहा, 'ये लुक जैसे तुम्हारे लिए ही बना है।' यह बात मेरे लिए बहुत मायने रखती है।''

अभिषेक ने कहा, ''यह ट्रैक टीवी पर अब तक दिखाई गई चीजों से बिल्कुल अलग है। इसमें तेज रफ्तार एक्शन, दमदार सीन और फिल्मों जैसा ग्रैंड फील है। इस लुक को अपनाना आसान नहीं था। हर दिन करीब दो घंटे का मेकअप, शरीर पर पेंट, भारी साड़ी और भारी ज्वेलरी पहननी पड़ती थी। इस लुक में एक्शन सीन करना बहुत थकाने वाला था, लेकिन साथ ही बहुत ताकतवर और खास अनुभव भी रहा।'' उन्होंने आगे कहा, यह मेरे करियर का सबसे मुश्किल लेकिन सबसे रचनात्मक सीन है जो मैंने अब तक किया है। ऐसा लुक आज तक हिंदी टीवी पर नहीं दिखा है।

'जमाई नंबर 1' हमेशा कुछ अलग और हटकर दिखाने की कोशिश करता है, और यह ट्रैक उसी का एक बेहतरीन उदाहरण है। इस खास सीन की शूटिंग दो दिन से ज्यादा चली, और हर बार मेकअप और बॉडी पेंट को लगाना और हटाना अपने आप में एक बड़ा काम था।'' अभिनेता ने कहा, हमने इस सीन में जो मेहनत, भावना और ऊर्जा डाली है, बस उम्मीद है कि दर्शक उसे महसूस कर पाएं। आने वाले एपिसोड में नील, देवी काली मां के रूप में, रिद्धि को लेकर कोर्टरूम में पहुंचता है, ठीक उस समय जब जज उसे उम्रकैद की सजा सुनाने वाले होते हैं। अब सवाल ये है कि क्या नील खुद को पुलिस के हवाले कर देगा या फिर रिद्धि नील को झूठे आरोपों से बचाने के लिए कोई रास्ता निकालेगी? 'जमाई नंबर 1' हर दिन रात 10 बजकर 45 मिनट पर जी टीवी चैनल पर प्रसारित होता है।

महज पांच साल की उम्र से नीतू सिंह ने शुरू की एक्टिंग

नई दिल्ली/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा की चुलबुली, खूबसूरत और गंभीर रोल्स को पर्दे पर बखूबी पेश करने वाली एक्ट्रेस नीतू कपूर 8 जुलाई को 67वां जन्मदिन मना रही हैं। महज पांच साल की उम्र में फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाली नीतू आज भी अपनी बेमिसाल खूबसूरती, दमदार एक्टिंग और सादगी से दर्शकों के दिलों पर राज करती हैं। उनके चेहरे की चमक और मुस्कान आज भी वैसी ही है, जैसी 70 के दशक में थी। कम ही लोग जानते हैं कि नीतू कपूर का असली नाम हरनीत कौर है। उनका जन्म 8 जुलाई 1958 को दिल्ली में एक पंजाबी सिख परिवार में हुआ था। उनके पिता दर्शन सिंह के निधन के बाद, छोटी सी उम्र में ही नीतू ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। साल 1966 में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट उनकी पहली फिल्म 'सूरज' आई, जिसमें वह वैजयंती माला और राजेंद्र कुमार के साथ नजर आईं। 'बेबी सोनिया' के नाम से उन्होंने 'दस लाख', 'वारिस' और 'घर घर की कहानी' जैसी फिल्मों में काम किया। साल 1968 में 'दो कलियां' में उनकी डबल रोल वाली भूमिका ने उन्हें खूब लोकप्रियता दिलाई। इस फिल्म का गाना 'बच्चे मन के सच्चे' आज भी बच्चों के लिए बेहद खास है। नीतू ने साल 1973 में 'रिक्शावाला' से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। फिल्म में उनके साथ एक्टर रणधीर कपूर लीड रोल में थे। उसी साल 'यादों की बारात' में उनका डांस नंबर 'लेकर हम दीवाना दिल' आया, जो दर्शकों का ध्यान खींचने में और उन्हें स्टारडम दिलाने में सफल रहा। साल 1975 में 'खेल खेल में' में ऋषि कपूर के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को बेहद पसंद आई। इसके बाद दोनों ने 'रफू चक्कर', 'कभी कभी', 'अमर अकबर एंथोनी', 'धरम वीर', 'दूसरा आदमी' और 'काल पत्थर' जैसी 10 से ज्यादा फिल्मों में साथ काम किया। नीतू के जिंदादिल और शानदार किरदारों ने उन्हें उस दौर की टॉप एक्ट्रेस में शुमार किया। 'अमर अकबर एंथोनी' में डॉ. सलमा अली और 'कभी कभी' में अपनी मां की खोज में जुटी बेटी के किरदार को आज भी याद किया जाता है। नीतू और ऋषि कपूर की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री जल्द ही ऑफ-स्क्रीन रोमांस में बदल गई। साल 1979 में सगाई और 1980 में शादी के बाद नीतू ने 21 साल की उम्र में एक्टिंग से ब्रेक ले लिया।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में रविवार शाम को मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में पैलेस ग्राउंड में आचार्य श्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष तथा तेरापंथ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विराट धम्म जागरण का आयोजन हुआ। तेयुप भजन मंडली प्रज्ञा संगीत सुधा ने मंगलाचरण किया।

गुरु के प्रति श्रद्धा, शक्ति, समर्पण भाव रहेगा तो ही चातुर्मास सफल होगा : नरेशमुनि

गुरु ज्येष्ठ पुष्कर भवन में संतों का हुआ प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट व आराधना केन्द्र के तत्वावधान में उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी व साध्वीश्री दर्शनप्रभाजी ने सोमवार को सुबह चातुर्मास प्रवेश व ध्वजारोहण किया। अक्कीपेट स्थानक भवन से संतों की शोभायात्रा प्रारंभ हुई जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। देशभर से भी अनेक श्रावक श्राविकाएं भी प्रवेश कार्यक्रम में शामिल हुए। विभिन्न मार्गों से होते हुए संत पुष्कर भवन पहुंचे और शुभ मुहूर्त में भवन में प्रवेश किया। प्रवेश के पश्चात मुनिद्वय ने भवन में मांगलिक प्रदान किया तथा लाभार्थियों ने ध्वजारोहण किया। प्रवेश करने के बाद साधु साध्वी बिन्नी मिल ग्राउंड पर बने सभागार पहुंचे जहां धर्मसभा का आयोजन किया। संतों ने मंगलाचरण किया। युवती मंडल व महिला मंडल ने स्वागत गीत गाया। बाहर गांव से आए अनेक वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। ट्रस्ट के अध्यक्ष नेमीचन्द सालेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री महावीरचन्द मेहता ने नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी व अन्य साध्वियों का स्वागत करते हुए आराधना केन्द्र की विकास यात्रा का वर्णन किया। उन्होंने महोत्सव में मिले सभी के सहयोग के लिए लाभार्थियों को धन्यवाद दिया। मीठालाल भंसाली ने भी अपने विचार व्यक्त किए। साध्वीश्री समृद्धिश्री जी ने कहा कि चातुर्मास में गुरु हमें जगाने आते हैं। साध्वीश्री मेघाश्री ने कहा कि चातुर्मास में हमारे जीवन में भक्ति, तप, प्रेम का प्रवेश होना चाहिए। साध्वीश्री दर्शनप्रभाजी ने कहा कि इस चातुर्मास में स्थानकवासी महासंघ द्वारा निर्धारित नियमों की पालना करते हुए हमें ज्यादा से ज्यादा धर्म ध्यान में जुटना है। साध्वीश्री सत्यप्रभाजी ने भजनों के माध्यम से कहा कि चार माह में जप, तप के साथ त्याग के अनेक कार्य होने चाहिएं। चातुर्मास आत्मनिर्जरा का पर्व है। संचालन करते हुए मुनिश्री शालिभद्रजी ने कहा कि चातुर्मास प्रवेश का माहौल बहुत ही उल्लासमय व भव्य है, इस माहौल को हमें आगामी चार माह बरकरार रखना होगा तभी हमारा चातुर्मास सफल होगा। जो जो सभा संस्था व मंडल इस आयोजन में जुड़े हैं उनकी जिम्मेदारी बनती है कि चार माह के कार्यकाल में अपनी अपनी जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वहन करते हुए रूपरेखा बनानी होगी। शालिभद्रजी ने भी स्थानकवासी महासंघ के नियमों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें इस चातुर्मास में अनुशासन में रहते हुए नियमों का पालन करना है। मुनिश्री ने कुछ दिनों पहले आयोजित हुए समस्त समाज के सत्संग कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि हमें उस कार्यक्रम से अनुशासन सीखना चाहिए। उन्होंने सभी उपस्थितजनों से तपस्या, एकासना व सामायिक क्षेत्र में अधिक से अधिक कार्य करने की सलाह दी उन्होंने सभी को सामायिक वेश में प्रवचन में आने की तथा अपने अपने क्षेत्र के चातुर्मास को भी संभालने की बात कही।

अपने प्रवेश कार्यक्रम में उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने कहा कि चातुर्मास तभी ऐतिहासिक होगा जब इसमें जप, तप और त्याग की बहार बनी रहे। उन्होंने कहा कि जो गुरु के प्रति समर्पित होते हैं उनका हमेशा अच्छा ही अच्छा होता है। गुरु हमेशा अच्छे पथ पर बढ़ने की सलाह देते हैं। गुरु की कभी भी निंदा नहीं करनी चाहिए। गुरु के प्रति श्रद्धा, शक्ति, समर्पण भाव रहेगा तो ही चातुर्मास सफल होगा। गुरु ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास व्यवस्था समिति, जैन सेवा संगठन, महिला मंडल व युवती मंडल ने विभिन्न व्यवस्था संभाली।

तेरापंथ सभा गांधीनगर के विराट धम्म जागरण में गूंजे आचार्य भिक्षु के जयकारे

भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष तथा तेरापंथ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में रविवार शाम को मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में पैलेस ग्राउंड में आचार्य श्री भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष तथा तेरापंथ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विराट धम्म जागरण का आयोजन हुआ। तेयुप भजन मंडली प्रज्ञा संगीत सुधा ने मंगलाचरण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तथा कार्यक्रम के प्रायोजक निर्मल कुमार सुराणा ने अपना सारगर्भित वक्तव्य दिया तथा तेरापंथ सभा ने सुराणा परिवार का सम्मान किया। मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने आचार्य श्री भिक्षु के प्रति श्रद्धा समर्पित करते हुए तेरापंथ धर्मसंघ की यशोगाथा का वर्णन किया। आदित्य कुमार जी ने गीतिका के माध्यम से अपने भाव व्यक्त किए। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने स्वागत किया। मंत्री विनोद छाजेड़ ने सभा की गतिविधियों से अवगत कराते हुए गुरु दर्शनार्थ यात्रा संघ की घोषणा की तथा संघ यात्रा के प्रायोजक कुलदीप,दीपक कात्रेला परिवार का सम्मान करते हुए बैनर का अनावरण करवाया। कार्यक्रम में श्रद्धानिष्ठ संगायक कमल सेठिया ने अपने निराले अंदाज एवं स्वर लहरियों से भक्ति की समा बाँधते हुए सभी को मंत्रमुग्ध किया। सभा की ओर से सेठिया का सम्मान किया गया। धम्मजागरण में आचार्य भिक्षु के जयकारे गूंजते रहे। धम्म जागरण के संयोजक नवनीत मुथा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यकर्ता महावीर ओस्तवाल, राजेंद्र बैद, गौतमचंद मुथा, ललित मांडोत, प्रकाश कटारिया, राजेंद्र बाफना, प्रकाश बाबेल, प्रवीण बोहरा, दिनेश छाजेड़, दिलीप भंसाली, सुनील बाफना, रजत बैद, प्रवीण नाहर, अशोक श्रीश्रीमाल, अभिषेक श्रीश्रीमाल, अनिल पोखरना, राजेश सिसोदिया, महेन्द्र संकलेचा, मोहित सुराणा द्वारा पिछले अनेक दिनों से किए गए श्रम की सराहना की। इस मौके पर संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर महासभा के सहमंत्री मुकेश गादिया, सदस्य संजय बांठिया सहित बेंगलूरु की सभी तेरापंथ सभा,तेयुप, महिला मंडल, अणुव्रत समिति, तुलसी चेतना केंद्र, भिक्षु धाम, टीपीएफ पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ एवं संयोजक नवनीत मुथा ने किया।

मरुधर के कल्पवृक्ष थे आचार्य भिक्षु : साध्वीश्री पुण्ययशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

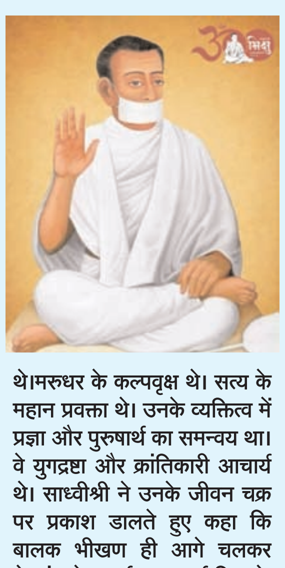

बेंगलूरु। शहर के राजराजेश्वरीनगर में विराजित साध्वीश्री पुण्ययशा जी ने अपने चातुर्मास-2025 का आगाज करते हुए कहा कि यह वर्ष आचार्य भिक्षु के 300वें जन्म का वर्ष है। आचार्यश्री ने इसे भिक्षु चेतना वर्ष घोषित किया है। हमें भी आचार्यश्री भिक्षु के जीवन से प्रेरणा लेते हुए अपने जीवन का कल्याण करना चाहिए। साध्वीश्री ने कहा कि जन-जन की आस्था के केंद्र आचार्य भिक्षु एक विलक्षण व्यक्तित्व के धनी थे। उनका धैर्य, धृति, सत, प्रज्ञा, संयम के प्रति उत्साह उन्हें विशिष्ट बनाता है। लियो टॉलस्टाय के एक दृष्टांत में माध्यम से साध्वीश्री ने कहा कि आचार्य भिक्षु की धृति का ही सुफल परिणाम है तेरापंथ । आचार्य भिक्षु का चिंतन सृजनात्मक और सकारात्मक था। उन्होंने कहा कि आचार्य भिक्षु एक अलबेले संत थे।मरुधर के कल्पवृक्ष थे। सत्य के महान प्रवक्ता थे। उनके व्यक्तित्व में प्रज्ञा और पुरुषार्थ का समन्वय था। वे युगद्रष्टा और क्रांतिकारी आचार्य थे। साध्वीश्री ने उनके जीवन चक्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बालक भीखण ही आगे चलकर तेरापंथ के प्रवर्तक आचार्य भिक्षु के रूप में प्रसिद्ध हुए। उनकी मंजिल को जनता ने तेरापंथ नाम की पहचान दी। उन्होंने उस पहचान को स्वीकार किया और तेरापंथ भगवान महावीर के पंथ का प्रतीक बन गया। साध्वीश्री ने कहा कि आचार्य भिक्षु प्रचेता पुरुष थे। साधु जीवन स्वीकार करने के बाद उनकी जागरूकता उत्तरोत्तर बढ़ती गई। इसी जागरूकता के आधार पर उनको राजनगर में नया बोध मिला। बगड़ी के ठाकुर जैतसिंह की छतरी में उन्होंने अभय का पाठ पढ़ा। जिस मरघट पर आकर जीवन का सफर सदा के लिए थम जाता है वहीं से आचार्य भिक्षु ने धर्म क्रांति का नया सफर शुरू किया जो सदियों तक नहीं थम सकता। आचार्य भिक्षु दूरदर्शी थे, गूढ़दर्शी थे, समदर्शी थे। वे साहसी और सौभाग्यशाली थे जिससे वे अध्यात्म जगत के नवोन्मेषी और यशस्वी महापुरुष बन सके। उनके तत्त्व दर्शन में जितनी गंभीरता है उतनी ही विलक्षणता भी है। उन्होंने एक आचार्य का नेतृत्व, एक समाचारी व तत्त्व निरुपण की एक नई शैली के तीन मौलिक सिद्धांत दिए। इन मर्यादाओं के कारण ही आज तक तेरापंथ का अनुशासन व एकता अक्षुण्ण बनी हुई है।

रोटरी जंक्शन की कव्वाली संध्या में समाजहित कार्यों के लिए जुटाए गए 35 लाख रुपए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रोटरी क्लब ऑफ बेंगलूरु जंक्शन द्वारा रविवार को चौड़य्या मेमोरियल हाल में संगीतमय कव्वाली संध्या का आयोजन किया गया। चेरिटेबल कार्यों के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में 35 लाख रुपए की धनराशि एकत्र की गई। कार्यक्रम में सूफीयाना अंदाज़ में कव्वाली की प्रस्तुति सुप्रसिद्ध कलाकार मुश्तबा अज़ीज़ नाज़ा ने दी। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटरी क्लब के अध्यक्ष कमल करनानी ने की। कार्यक्रम के चेयरमैन विजय सराफ और संयोजक बीजी राज ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रोटरी क्लब इस आयोजन से प्राप्त आय का उपयोग विभिन्न सामाजिक और शैक्षणिक परियोजनाओं, विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में खर्च करेगा। विजय सराफ ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल संगीत का आनंद लेना नहीं था, बल्कि समाज के लिए सेवा का कुछ सकारात्मक संदेश देना था। उन्होंने सभी प्रायोजकों को धन्यवाद दिया।

फिर मिलने के वादे के साथ ब्यावर युवा शाखा का दो दिवसीय 'एक्सपो' सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा आयोजित एक्स्पो का अगले वर्ष फिर मिलने के वादे के साथ समापन हुआ। दो दिन के इस एक्स्पो में खरीदी के लिए करीब पन्द्रह हजार से अधिक लोगों की आवाजाही थी।

अध्यक्ष ललित डाकलिया ने बताया कि सांसद तेजस्वी सूर्या ने शुभकामना संदेश भेजा है। समापन समारोह में प्रसिद्ध भजन गायक वैभव बागमार ने गीतों की प्रस्तुति दी। एक्स्पो में अनेक सभा संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। आखिरी दिन ब्यावर संघ के चेयरमैन अरविन्द खिंवसरा, अध्यक्ष पदमचंद बोहरा, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढा, युवा अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष विकास खटोड़, महामंत्री कुलदीप छाजेड़, कोषाध्यक्ष नमित कोठारी, सहमंत्री नरेश बोहरा, सहकोषाध्यक्ष भरत कोठारी, एक्स्पो संयोजक प्रतीक गादिया सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने दीप प्रज्वलन किया। कार्यक्रम में मनोरंजन के लिए अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम व मैजिक शो का आयोजन किया गया। संस्था द्वारा सभी प्रायोजकों व 100 स्टॉल मालिकों का सम्मान किया गया। इस दो दिवसीय एक्सपो में अच्छी खरीददारी हुई। एक्स्पो में ब्यावर युवा लेडीज विंग की चन्द्रकला डाकलिया, जिया हिंगड़, कंचन छाजेड़, मोनिका कुमट, संगीता पारख, सीमा बोहरा ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन एमसी बिन्दु मेहता ने किया।

तेयुप यशवंतपुर की नई कार्यकारिणी समिति ने शपथ ग्रहण की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ युवक परिषद यशवंतपुर के नवमनोनीत अध्यक्ष धर्मेश डूँगरवाल और उनकी टीम ने रविवार को अभातेयुप के उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में यशवंतपुर भवन में साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में शपथ ली। विमल कटारिया द्वारा श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया गया। साध्वीश्री सोमयशाजी ने कहा कि तेरापंथ में हर कार्यकर्ता सेवा और समर्पण भाव को लिए हुए है। दायित्व के साथ कर्तव्य बोध हो तो कार्य ऐतिहासिक होते हैं। डॉ सरलयशाजी ने कहा कि संयुक्त रूप से होनेवाले आयोजन आपसी सामंजस्य को दर्शाता है। निवर्तमान अध्यक्ष महावीर गन्ना ने नव मनोनीत अध्यक्ष धर्मेश डूँगरवाल को शपथ दिलाई। इसके पश्चात नवमनोनीत अध्यक्ष ने नई कमेटी में उपाध्यक्ष जिगर मारू, दिलीप पितलिया, मंत्री अभिषेक पोखरना, सहमंत्री महेंद्र भंसाली, सहमंत्री सुनील बोलिया, कोषाध्यक्ष प्रवीण मांडोत तथा संगठन मंत्री मनोज बाबेल को शपथ दिलाई। इस मौके पर संबंधित संस्था के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। संचालन विशाल पितलिया ने किया।

प्रवीण बने केएमएस के नए अध्यक्ष, मोहित बने सचिव

बेंगलूरु। स्थानीय कर्नाटक मारवाड़ी समाज(केएमएस) की रविवार को साधारण सभा में वर्ष 2025-27 के लिए नई कार्यकारिणी कमेटी का गठन किया गया।

निवर्तमान अध्यक्ष विकास बलोडिया ने स्वागत करते हुए अपने कार्यकाल की उपलब्धियों की जानकारी दी। प्रभात यादुका ने संचालन करते हुए रिपोर्ट पेश की। वित्तीय विवरण तरुण चाँद गोठिया ने पेश किया। चुनाव अधिकारी सितेश जालान ने 15 सदस्यों की कार्यकारिणी समिति की घोषणा की जिसमें सर्वसम्मति से प्रवीण तुलस्यान को अध्यक्ष, मोहित तुलस्यान को सचिव, राकेश जिंदल को कोषाध्यक्ष चुना गया। सभी उपस्थित जनों ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। आनंद अग्रवाल ने धन्यवाद दिया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें
दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

अलसूर में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 200 लोग हुए लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के कैंड हार्टर्स टचिंग लाइफ एवं इंस्पायरिंग होप के संयुक्त सौजन्य से अलसूर के मोती महल में महिलाओं ने एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जिसका उद्घाटन पूर्व महापौर गौतम कुमार मकाना ने फीता काट कर किया।

शिविर में डॉ नरपत सोलंकी व उनकी टीम ने 200 रोगियों की आंखों की जांच की। जैन मिशन तथा भारत रत्न आंबेडकर दंत महाविद्यालय, डायबिटीज क्लब के सहयोग से आंख, दांत, डायबिटीज़ की जांच की गई। इस अवसर पर गौतम कुमार मकाना ने कहा कि सेवा ही समृद्धि का अलंकरण होता है। हर साल ऐसे आयोजन होने चाहिए। उन्होंने सभी से कन्नड़ भाषा सीखने की सलाह भी दी। अलसूर श्रावक संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा व मंत्री अभय कुमार बांठिया ने महिला वर्ग की इस पहल की सराहना की। इस अवसर पर अलसूर संघ के अनेक सदस्य उपस्थित थे। किरणबाई गादिया ने संचालन किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com